हिमाचल प्रदेश में गुरुवार देर रात से शुरू हुई भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। राज्य में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है. लाहौल स्पीति में भागा नदी का जलस्तर बढ़ने से पयुकर गांव का पुराना पुल ढह गया है. पानी के बहाव से भूमि का कटाव हो रहा है। गांव भी खतरे में है.

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:234 दिनांक:04-08-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्ति (आईडीपी) 1 अगस्त, 2024 को मणिपुर के इंफाल में अपने मूल स्थानों में पुनर्वास की मांग को लेकर एक विरोध रैली के दौरान प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का कहर, लाहौल स्पीति में पुल टूटा, मलाणा में फंसे पर्यटक

शिमलाः हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को देर रात से शुरू हुई भारी बारिश ने तबाही मचा दी है. राज्य में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है. लाहौल स्पीति में भागा नदी का जलस्तर बढ़ने से पयुकर गांव का पुराना पुल ढह गया है. पानी के बहाव से भूमि का कटाव हो रहा है। गांव भी खतरे में है. गांव के लोग प्रशासन और सरकार से मदद मांग रहे हैं. वहीं, मंडी, कुल्लू और शिमला के रामपुर में बादल फटने से 50 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं. इन तीनों घटनाओं में 49 लोग लापता हैं. जिसमें 6 की मौत हो गई है और एक घायल है.

हिमाचल प्रदेश के राजस्व और आपदा प्रबंधन के विशेष सचिव धुनी चंद राणा ने कहा कि पानी के तेज प्रवाह के कारण ब्यास नदी के पास एक गांव में नौ लोग फंस गए हैं। जिन्हें एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम ने बचाया। हिमाचल में आई आपदा में 65 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं. जबकि 23 जानवरों की भी जान चली गई. एनडीआरएफ के 70 जवान रामपुर में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं. इसके आईटीबीपी और एसडीआरएफ के जवान भी ऑपरेशन में लगे हुए हैं.

विशेष सचिव धुनी चंद ने बताया कि मलाणा में भी 20 से 25 लोगों के फंसे होने की सूचना है. इनमें कुछ पर्यटक भी शामिल हैं. हालाँकि अब वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं और उनके पास भोजन भी उपलब्ध है। उन्हें भी शनिवार को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के दस जिलों में छह अगस्त तक भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने की 'पीली' चेतावनी जारी की। विभाग ने संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने, तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव की संभावना के बारे में भी चेतावनी दी है, जिससे बगीचों और खड़ी फसलों और घरों को नुकसान होगा।

हिमाचल प्रदेश में बारिश के कारण बाढ़ आ गई है, कुल्लू, मलाणा और मंडी जिले के निरमंड ब्लॉक के इलाकों में बादल फट गए हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। कई घर, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं. तीनों जगहों पर कुल मिलाकर करीब 35 लोग लापता बताए जा रहे हैं. बादल फटने की घटना के बाद आज मंडी क्षेत्र के सभी स्कूल और शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं.

मंडी जिले के द्रंग विधानसभा क्षेत्र के रजवान गांव में आधी रात को बादल फटने से भारी तबाही हुई। एक की मौत हो गई है, उसका शव मिल गया है. पानी के तेज बहाव में कई घर बह गये हैं. 11 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं. शिमला से 100 किलोमीटर दूर रामपुर के जकारी इलाके में भी बादल फटा, बाढ़ के पानी में 20 लोगों के लापता होने की खबर है.

खाडी के देशों में 1 करोड़ भारतीयों की नौकरी खतरे में

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया के देशों में जो भारतीय काम कर रहे हैं। उनकी नौकरी खतरे में पड़ती हुई नजर आ रही है। इजराइल और हमास युद्ध की विभीषिका अब पश्चिम एशियाई देशों तक पहुंच गई है। ईरान, इराक, तुर्की जैसे देशों में भारतीय बड़ी संख्या में नौकरी कर रहे हैं। जिस तरह के हालात बन गए हैं। उसमें तृतीय विश्व युद्ध की आशंका बन गई है। अमेरिका ने समुद्र में अपने दर्जनों युद्ध पोत उतार दिए हैं। जिस तरह के हालात वहां पर बन गए हैं। युद्ध के पहले भारतीयों की नौकरी भी खतरे में पड़ गई है। जान बचाने के लिए प्रवासी भारतीय वहां से भाग रहे हैं। ईरान से लेबनान जाने वाली कानवाई पर इजरायल ने हमला कर दिया है।इसमें कई गाड़ियां जल गई हैं।

समान जलने और कई लोगों के मरने की खबर है। इजराइल का कहना है,कि इसमें हथियार ले जाए जा रहे थे। इसके बाद से प्रवासी भारतीयों में दहशत फैल गई है। वह किसी तरह से वहां से निकलने की तैयारी कर रहे हैं। तृतीय विश्व युद्ध की आशंका से एक करोड़ भारतीयों की जान संकट में पड़ गई है।

केदारनाथ में बारिश से कई रास्ते हुए क्षतिग्रस्त, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

- फंसे हुए लोगों के सुरक्षित रेस्क्यू करने के किए जा रहे हैं प्रयास

रुद्रप्रयाग (ईएमएस)। देशभर में मूसलाधार बारिश का कहर जारी है। कई राज्यों में भारी बा?रिश से लोगों को काफी नुकसान हो रहा है। उत्तराखंड में भी पहाड़ दरक रहे हैं, बादल फटने से भारी नुकसान हो रहा है। इस बीच केदारनाथ धाम पहुंचे श्रद्धालुओं को भी काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। प्रशासन की ओर से फंसे लोगों तक राहत पहुंचाने की कोशिश जारी है। इस बीच उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय ने बताया कि केदारनाथ में भारी बारिश के कारण कई रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए। विभिन्न जगहों पर फंसे तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस समेत अन्य सुरक्षा बल लगातार कार्य में जुटे हैं। हर स्तर पर सभी लोगों के सुरक्षित रेस्क्यू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए वायु सेना के चिनूक और एमआई 17 विमान से भी यात्रियों को एयर लिफ्ट किया गया। वहीं मैनुअल रेस्क्यू भी लगातार जारी है। रुद्रप्रयाग प्रशासन ने आपदा में मृतकों एवं गुमशुदा यात्रियों के संबंध में स्थिति स्पष्ट की। प्रशासन के मुताबिक अब तक दो शव बरामद हुए हैं। यह दोनों शव लिंचोली क्षेत्र से बरामद हुए हैं। नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या के कारण यात्रियों को परिजनों से संपर्क करने में समस्या हो रही है। विभिन्न जगहों पर रुके यात्रियों के लिए प्रशासन के स्तर से पर्याप्त भोजन, पानी और आवासीय व्यवस्था भी की गई हैं। जिला पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर 7579257572, 01364-233387 और आपातकालीन नंबर 112 जारी कर यात्रियों के परिजनों की कॉल्स पर जरूरी जानकारी दी जा रही है। भीमबली में रुके 150 यात्रियों ने प्रीपेड काउंटर पर लगे वाई-फाई नेटवर्क के माध्यम से अपने परिजनों से बातचीत कर उन्हें कुशलता की जानकारी दी। शुक्रवार को 599 लोगों को हेलीकॉप्टर सेवाओं से एयर लिफ्ट कर रेस्क्यू किया गया। जबकि, सोनप्रयाग से जंगल चट्टी के बीच फंसे 2024 और चौमासी में फंसे 161 तीर्थयात्रियों का रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू में जुटे लोगों का कहना है कि बारिश रेस्क्यू में बाधा डाल रही है।

सामूहिक दुष्कर्म मामला-आरोपी की बेकरी पर चला बुलडोजर

अयोध्या (ईएमएस)। यूपी के अयोध्या जिले के भदरसा कस्बे में नाबालिग बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म को लेकर अब योगी सरकार पूरे एक्शन में आ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े फरमान के बाद जिला प्रशासन ने घटना के मुख्य आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसकी बेकरी में सेम्पलिंग कराकर खाद्य पदार्थ के पांच नमूने सील किए, जिन्हें जांच के लिए भेजा जा रहा है। उधर तहसील प्रशासन की जांच मे आरोपी की बेकरी तालाब की भूमि पर पाए जाने के बाद तहसील प्रशासन ने बेकरी निर्माण इकाई पर बुलडोजर चलवाकर उसे ध्वस्त करा दिया। 10 बजे बेकरी पर खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी की। टीम ने खाद्य पदार्थों के पांच सैंपल लिए और ए-वन नाम की बेकरी को सील कर दिया। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन मानिक चन्द्र सिंह ने बताया कि सेम्पल की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सामूहिक दुष्कर्म मामले की पीड़िता को धमकाने के मामले में पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज की है।

मिली जानकारी के अनुसार रात लगभग 11 बजे तीन लोग महिला अस्पताल पहुंचे। इनमें भदरसा नगर पंचायत के चेयरमैन मोहम्मद राशिद, सपा नेता जय सिंह राणा व एक अन्य शामिल रहे। परिजनों के अनुसार पहले उन लोगों ने सुलह समझौता का दबाव बनाया। इनकार करने पर निपट लेने की धमकी देकर चले गए। पिपरी गांव निवासी राम सेवक दास की ओर से भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत विभिन्न धाराओं में दर्ज कराई गई एफआईआर मे यह कहा गया है कि पीड़िता की हत्या के इरादे से ये लोग अस्पताल पहुंचे थे।

आतंकियों के मददगार 6 कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू-कश्मीर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने नार्को टेररिज्म से जुड़े पांच पुलिसकर्मियों और एक टीचर समेत 6 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि ये लोग ड्रग्स बेचकर टेरर फंडिंग कर रहे थे। एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने इन कर्मचारियों को बर्खास्त करने के लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) का इस्तेमाल किया है। एलजी ने कहा कि ये सभी पाकिस्तान की आईएसआई और उससे जुड़े आतंकवादी संगठनों के नार्को-टेरर नेटवर्क का हिस्सा थे।

केरल में हो रही गौ हत्या.... .इस कारण वायनाड त्रासदी

बीजेपी नेता आहूजा का विवादित बयान

नई दिल्ली (ईएमएस)। केरल के वायनाड में बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या की बढ़कर 341 तक पहुंच गई है। इसी बीच वायनाड त्रासदी को लेकर बीजेपी नेता ज्ञानदेव आहूजा का विवादित बयान आया है। आहूजा का कहना है कि केरल में गौ हत्या होती है, इसकारण वहां इस तरह की त्रासदी आई है। उनका कहना है कि जहां भी गौ हत्या होती है, वहां ऐसी ही घटनाएं होती रहेंगी।

बीजेपी के वरिष्ठ नेता आहूजा ने कहा है कि अगर केरल में गौ हत्या जारी रही, तब ऐसी ही त्रासदियां होती रहेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि 2018 से केरल में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, और भारत के किसी भी हिस्से में जहां गौ माता की हत्या होगी, वहां इसी प्रकार की स्थिति उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी घटनाएं होती हैं, लेकिन वायनाड जैसी स्थिति कहीं और नहीं देखी जाती।

जिला प्रशासन ने कहा कि लगभग 218 लोग अब भी लापता हैं। हालांकि, केरल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एमआर अजित कुमार ने कहा था कि लगभग 300 लोग अभी भी लापता हैं। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में तलाश अभियान शनिवार को लगातार पांचवें दिन जारी है। मलबे में अभी भी फंसे लोगों की तलाश के लिए 1,300 से अधिक बचावकर्मियों, भारी मशीन और अत्याधुनिक उपकरणों को तैनात किया गया है।

मैतेई-हमार समुदाय में शांति समझौते के 24 घंटे के अंदर हिंसा

इंफाल (ईएमएस)। एक ओर मणिपुर के जिरीबाम में शांति कायम करने को लेकर मैतेई और हमार समुदाय के बीच सहमति बनी। वहीं सहमति के 24 घंटे के भीतर जिरीबाम में हिंसा हो गई। यहां एक मैतेई बस्ती में गोलियां चलाई गईं। वहीं लालपानी गांव में एक घर में आग लगा दी गई। दरअसल मैतेई और हमार समुदाय के प्रतिनिधि मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में हालात सुधारने और शांति बहाल करने के लिए साथ काम करने को सहमत हो हुए थे। असम के कछार में गुरुवार को सीआरपीएफ सुविधा केंद्र में आयोजित बैठक में आमने-सामने खड़े दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था। इसमें तय किया गया कि दोनों पक्ष सामान्य स्थिति लाने, आगजनी तथा गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

नीट मामला : विशेषज्ञ समिति 30 सितंबर तक पेश करे रिपोर्ट

-सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए के ढुलमुल रवैये को किया रेखांकित और खामियां दूर करने को कहा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) -यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा को रद्द न करते हुए एनटीए को ढुलमुल रवैया छोड़ खामियां दूर करने का आदेश सुनाया है। पेपर लीक की व्यापकता को लेकर अदालत ने दोबारा परीक्षा नहीं कराने का आदेश दिया और विस्तृत कारण भी बताए हैं। इसके साथ ही 30 सितंबर तक रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ऐसी कोई सामग्री नहीं है जो यह दर्शाए कि पेपर लीक व्यापक स्तर पर थी, और इससे पूरी परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई। कोर्ट ने इसके साथ ही राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा की गई खामियों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला है। यही नहीं प्रधान न्यायाधीश ने एनटीए द्वारा अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र बदलने की अनुमति देने और नए पंजीकरण के लिए पिछला दरवाजा खोले जाने पर भी सवाल उठाए हैं। प्रधान न्यायाधीश का कहना था कि एनटीए में यह उलटफेर छात्रों के हित में नहीं है। एक दिन पहले मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। इसमें एनटीए के उस फैसले पर भी सवाल उठाए गए जिसमें 1,563 छात्रों को गलत प्रश्नपत्र दिए जाने के कारण हुए नुकसान की भरपाई के तौर पर ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। इसके साथ ही अदालत ने विशेषज्ञ समिति को निर्देश दिए हैं। समिति को पंजीकरण की समय सीमा, परीक्षा केन्द्रों में परिवर्तन और ओएमआर शीटों की सीलिंग और भंडारण से संबंधित एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के लिए कहा गया है। वहीं 30 सितंबर 2024 तक एक रिपोर्ट तैयार कर पेश करने को भी कहा गया है।

दो युवकों ने ताजमहल में कब्रों पर चढ़ाया गंगाजल, गिरफ्तार

आगरा (ईएमएस)। यूपी की पर्यटन नगरी आगरा स्थित विश्व प्रसिद्ध इमारत ताज महल में कथित रुप से हिंदूवादी संगठन के दो युवकों ने गंगा जल चढ़ाया। हिंदूवादी युवक पानी की बोतल में गंगाजल भरकर ले कर गए थे और ताजमहल के अंदर जाकर गंगाजल चढ़ाया। ताजमहल के अंदर पहुंचे दोनो युवकों ने बोतल में भरा हुआ गंगाजल पहले दिखाते हुए चले फिर ताजमहल के अंदर जाकर गंगाजल चढ़ाया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दावा किया गया है कि दोनों युवकों ने तेजो महालय में गंगाजल चढ़ाया है, एक लीटर की बोतल में गंगाजल लेकर आए और ताजमहल में चढ़ाया गया क्योंकि ये तेजोमहालय शिव मंदिर है। गंगाजल लेकर ताजमहल के अंदर पहुंचे दोनो युवकों ने पहले पूरा वीडियो बनाया, एक युवक बोतल को कंधे पर रख कर चल रहा है जिसमे गंगाजल होने का दावा किया जा रहा है। दोनों युवक चलते हुए मुख्य मकबरे तक पहुंच गए और तहखाने के पास खड़े होकर बोतल में से गंगाजल चढ़ाया। वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि तहखाने के पास खड़े होकर युवक बोतल में जल डाल रहे है जिसके बाद सीआईएसएफ ने दोनों युवकों को पकड़ लिया। सीआईएसएफ ने दोनो युवकों को पकड़ कर थाना ताजगंज पुलिस को सौंप दिया। अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दावा किया जा रहा है कि यह जलाभिषेक है और ये तेजोमहालय शिव मंदिर है। श्रावण माह में हिंदुवादियो कई बार ताजमहल के अंदर जलाभिषेक करने की मांग की थी। विदित हो कि कुछ दिन पूर्व भी एक महिला कावड़ लेकर ताजमहल पर पहुंच गई थी और जलाभिषेक करने की जिद करने लगी थी जिस पर पुलिस बल ने महिला को रोक दिया था। अब अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने बताया कि हमारे कार्यकर्ता वीरेश और श्याम सोरों से कबाड़ लेकर आए और तेजो महालय में गंगाजल चढ़ाया गया, गंगाजल चढ़ाना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, इससे पहले हमारे संगठन की मीना राठौर कावंड़ लेकर पहुंची थी और उन्हें रोक दिया गया, अब हमने तेजो महालय में गंगाजल चढ़ा कर अपने दावे को सिद्ध किया है।

हाइड्रोजन सोलर पैनल से दिन और रात में बनेगी बिजली, बैटरी से मिलेगी निजात

नई दिल्ली (ईएमएस)। जल्द ही हाइड्रोजन सोलर पैनल का इस्तेमाल घर-घर में होगा। जो नए सोलर पैनल बना रहे हैं। वह दिन में सूर्य क्री ऊर्जा से तथा रात को हवा में मौजूद हाइड्रोजन से बिजली का निर्माण करेंगे। ऑक्सीजन से हाइड्रोजन अलग करके दिन की तुलना में रात को ज्यादा बिजली का उत्पादन संभव होगा। जो नए सोलर पैनल बन रहे हैं। उससे 24 घंटे बिजली का उत्पादन होता रहेगा।

विदेश में हाइड्रोजन सोलर पैनल बड़ी मात्रा में शुरू हो गया है। इसमें बिजली को लंबे समय तक स्टोर करके रखा जा सकता है। जिसके कारण बैटरी की आवश्यकता नहीं होगी।

हाइड्रोजन सोलर पैनल फोटो कैटालिटिक वाटर स्प्लिटिंग प्रक्रिया का उपयोग कर,बिजली उत्पादन का काम करते हैं। हवा में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को विखंडित करके हवा भाप और नमी के माध्यम से सोलर पैनल के बीच में लगे टयूब बिजली को कैप्चर करते हैं। वहीं सूर्य की रोशनी पडते ही कैटलिटिक कन्वर्जन शुरू हो जाता है। जिस कारण इसमें सूर्य की रोशनी और रात में हवा मे मौजूदा हाइड्रोजन के माध्यम से बिजली का उत्पादन संभव होता है। हाइड्रोजन सोलर पैनल को जल्द ही भारत में बड़े पैमाने पर लाने की तैयारी हो रही है।

वायनाड लैंडस्लाइड में 143 शव टुकड़ों में मिले

मरने वालों का आंकड़ा 361 पहुंचा; डेडबॉडी ढूंढने सेना के डीप सर्च रडार मंगाए गए

वायनाड (ईएमएस)। केरल के वायनाड में 29-30 जुलाई की रात भारी बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 361 पहुंच गई है। इन सभी शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इनमें 218 शवों की पहचान हो चुकी है। 143 लोगों के शरीर के सिर्फ टुकड़े बरामद हुए हैं।

सेना ने 1 अगस्त को मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म होने की जानकारी दी थी। अब सिर्फ मलबे में दबे शवों को ढूंढने का काम चल रहा है। कई जगह जमीन के अंदर मलबे में 20 से 30 फीट तक शवों के दबे होने की आशंका है। लैंडस्लाइड प्रभावित इलाकों को सैनेटाइज करने के लिए डीप सर्च रडार मंगाया है। यह रडार जमीन के अंदर 80 मीटर तक की गहराई में इंसानों के फंसे होने का पता लगाता है। सेना इस रडार का इस्तेमाल बर्फीले इलाकों खासकर सियाचिन, लद्दाख में एवलांच के बाद सर्चिंग के लिए करती है।

वायनाड लैंडस्लाइड : इंश्योरेंस कंपनियों को आदेश, कम कागजात मांग....क्लेम सेटेलमेंट करे

इंश्योरेंस कंपनियों बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचने के काम में जुटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने भारी बारिश के चलते वायनाड लैंडस्लाइड हादसे का शिकार बने लोगों को राहत पहुंचाने के लिए इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देश दिया है। केंद्र की मोदी सरकार ने सभी पब्लिक सेक्टर इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह पीड़ितों को हर संभव मदद करे। लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी), यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस, न्यू इंडिया इंश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस, और ओरिएंटल इंश्योरेंस बाढ़ पीड़ितों तक राहत पहुंचाने के काम में जुट गए हैं।

सभी पब्लिक सेक्टर इंश्योरेंस कंपनियों ने अपनी तरफ से पॉलिसीहोल्डर्स से संपर्क करना शुरू कर दिया है। इसके लिए स्थानीय अखबारों, सोशल मीडिया, कंपनी वेबसाइट और एसएमएस की भी मदद ली जा रही है। लोगों को संपर्क करने के लिए मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केरल के वायनाड, पलक्कड, कोझिकोड, मलप्पुरम और त्रिसूर इलाकों में सबसे ज्यादा नुकसान है। इन्हीं इलाकों से सबसे ज्यादा क्लेम आ सकते हैं। इंश्योरेंस कंपनियों की कोशिश रहेगी कि वह तेजी से लोगों के क्लेम सेटलमेंट कर राहत पहुंचा सकें।

मोदी सरकार ने एलआईसी को विशेष निर्देश दिया है कि वे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत क्लेम अमाउंट जल्द से जल्द लोगों तक पहुंचाए। इसके अलावा कंपनियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह तेजी से क्लेम सेटेलमेंट के लिए कम से कम संख्या में डॉक्यूमेंट की डिमांड करें। केंद्र और वित्त मंत्रालय मिलकर आपदा का शिकार हुए लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 350 का आंकड़ा पार कर चुकी है। भारतीय सेना, केरल पुलिस और इमरजेंसी सेवाएं एक साथ मिलकर लापता लोगों की तलाश में अभी भी जुटी हुई हैं।

सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लोक अदालत वीक के स्मरणोत्सव कार्यक्रम में सीजेआई बोले

लोग सेटलमेंट करके चाहते हैं कोर्ट से छुटकारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि लोग कोर्ट के मामलों से इतने तंग आ जाते हैं कि वे बस सेटलमेंट चाहते हैं। कोर्ट का प्रोसेस पनिशमेंट जैसा है। यह जज के रूप में हम सभी के लिए चिंता का कारण है। सीजेआई ने कहा कि हम कोशिश करते हैं और कहते हैं कि हम सेटलमेंट नहीं करेंगे। बल्कि हम आपको बेहतर रिजल्ट देंगे। चंद्रचूड़ ने कहा कि जब बीआर अंबेडकर जैसे दिग्गजों ने संविधान बनाया था, तो उन्होंने इसे एक मिशन के साथ बनाया था।

चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत के सुप्रीम कोर्ट को 180 संवैधानिक मामलों से निपटने वाला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट बनाने का विचार नहीं था। बल्कि इसके पीछे न्याय सबके द्वार का विचार था। यह एक अदालत थी, जिसे गरीब समाज के लिए बनाया जा रहा था, जहां न्याय तक पहुंच का अभाव था। सीबीआई ने ये बातें सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लोक अदालत वीक के स्मरणोत्सव समारोह में कहीं। इस समारोह में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 साल पूरे होने के मौके पर 29 जुलाई से 3 अगस्त तक स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया था। लोक अदालतें ऐसे मंच हैं जहां कोर्ट में लंबित मामलों या मुकदमे से पहले विवाद को आपसी समझौते से निपटाया जाता है। लोक अदालत के फैसलों के खिलाफ किसी भी कोर्ट में अपील नहीं की जा सकती है।

हम मुवक्किलों को नहीं जानते, यही सबसे बड़ी कमी

चंद्रचूड़ ने अपने संबोधिन के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जज ऊंचे डायस पर बैठते हैं। हमारे सामने वकील बैठते हैं। हम मुवक्किलों को शायद ही जानते हों जैसे हम हाई कोर्ट या डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में जानते हैं। हम जिन लोगों को सुप्रीम कोर्ट में न्याय देते हैं, वे हमारे लिए अदृश्य हैं। यही हमारे काम की सबसे बड़ी कमी है। सीबीआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भले ही दिल्ली में स्थित है, लेकिन यह पूरे भारत का कोर्ट है। हमने पूरे देश से अधिकारियों को रजिस्ट्री में भर्ती किया है और वे पूरे भारत में जीवन और समाज के बारे में विविधता, समावेश और ज्ञान लाते हैं। सीबीआई ने कहा कि भारत सरकार के एक बहुत सीनियर सक्रेटरी और पूर्व सिविल सर्वेंट ने मुझसे कहा कि उन्हें कभी नहीं पता था कि सुप्रीम कोर्ट में छोटे मामलों की भी सुनवाई होती है। क्योंकि हमें सुप्रीम कोर्ट में सभी बड़े मामलों को निपटाते हुए देखने की आदत है।

विवादों को मध्यस्थता से सुलझाना हमारी संस्कृति

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कार्यक्रम में कहा कि इस लोक अदालत में 1000 से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। मुझे बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट में आयोजित लोक अदालत में सिविल मामलों का भी निपटारा किया गया है। मेघवाल ने कहा कि हमारे देश में पहली बार भगवान कृष्ण ने लोक अदालत आयोजित की थी। तब कौरवों और पांडवों के बीच विवाद हो गया था। दुर्योधन नहीं माना और विवाद जारी रहा। यह हमारी संस्कृति में है कि हम विवादों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता का उपयोग करते हैं।

गोवर्धन मंदिर से 1 करोड़ 9 लाख लेकर फरार हुआ पुजारी

घर में नोट बोरियों में भरे मिले

मथुरा (ईएमएस)। मथुरा के गोवर्धन में मंदिर में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। मथुरा के गोवर्धन में स्थित मुकुट मुखारबिंद मंदिर में सेवायत (पुजारी) दिनेश चंद पर 1 करोड़ 9 लाख रुपये लेकर फरार होने का आरोप है। वह इन पैसों को बैंक में जमा कराने के लिए निकले थे, लेकिन न तो बैंक पहुंचे और न ही मंदिर वापस लौटे। उनके फोन भी बंद आ रहे हैं। मंदिर प्रबंधक चंद्र विनोद कौशिक ने इस मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद गोवर्धन पुलिस और मंदिर प्रशासन उनकी तलाश में जुट गए हैं।

इस मामले में अभी तक पुजारी दिनेश चंद का कोई सुराग नहीं मिल पाया है, और पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी है। घटना ने स्थानीय समुदाय में हडक्रंप मचा दिया है, और लोग इस बात से हैरान हैं कि इतनी बड़ी धनराशि के साथ पुजारी फरार कैसे हो सकता है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही कोई ठोस जानकारी मिलने की उम्मीद है। मंदिर प्रबंधक चंद्र विनोद कौशिक ने कहा था कि सोमवार को मंदिर की ठेका धनराशि के करीब एक करोड़ 9 लाख रुपये लेकर सेवायत दिनेश चंद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में जमा कराने गया था।

हर सेकंड में तीन राउंड फायर.........के9 वज्र-टी तोपें खरीदेगी सेना

ये तोपें स्वदेशी कंपनी लार्सन एंड टुब्रो बनाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत अपनी सैन्य ताकत को मजबूत कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मोदी सरकार ने सेना को आधुनिक बनाने के लिए 100 और के9 वज्र-टी तोपें खरीदने का फैसला किया है। ये तोपें स्वदेशी कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) बनाएगी। यह कदम भारत की सैन्य क्षमता को और मजबूत करेगा। इससे खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में भारत की ताकत बढ़ेगी।

इसके पहले भी भारत ने 100 के9 तोपें खरीदी थीं, जिन्हें रेगिस्तानी इलाकों में तैनात किया गया था। अब इन्हें चीन से सटे एलएसी के पास पहाड़ी इलाकों में तैनात करने के लिए तैयार किया जा रहा है। चीन के साथ बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारत अपनी सैन्य रणनीति और साजो-सामान को मजबूत बनाने में जुटा है। के-9 वज्र असल में दक्षिण कोरियाई के9 थंडर 155एमएम तोप का भारतीय संस्करण है, जिसका निर्माण एलएंडटी कंपनी भारत में लाइसेंस के तहत करती है। भारतीय संस्करण में स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल होगा है, जिसमें फायर कंट्रोल सिस्टम, डायरेक्ट फायर सिस्टम और गोला-बारूद प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। ये सभी एलएंडटी द्वारा ही विकसित और निर्मित किए गए हैं। के9 वज्र-टी तोपों को खास तौर पर कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। इन्हें -20ओ सेल्सियस तक के तापमान में भी काम करने लायक बनाने के लिए विंटर किट से लैस किया गया है। इन किट में खास बैटरी और लुब्रिकेंट शामिल हैं जो पहाड़ी इलाकों की भीषण ठंड में भी काम कर सकते हैं। के 9 प्रोजेक्ट की सबसे खास बात यह है कि इसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा काम भारत में ही हुआ है। एलएंडटी के मुताबिक, वज्र-टी सिस्टम के आधे से ज्यादा पुर्जे भारत में ही बने हैं।

हर सेकंड में कर सकती है तीन राउंड फायर

के-9 वज्र में 155एमएम/52 कैलिबर की तोप लगी है जो हर 15 सेकंड में तीन राउंड फायर कर सकती है। यह 3 मिनट तक 6 से 8 राउंड प्रति मिनट की अधिकतम गति से फायर कर सकती है। एचाई (हाई एक्सप्लोसिव) प्रोजेक्टाइल के साथ, इसकी अधिकतम फायरिंग रेंज 30 किमी है लेकिन यह 40 किमी की अधिकतम फायरिंग रेंज तक पहुंचने के लिए के307 बेस ब्लीड एचई गोला बारूद भी फायर कर सकता है। इसमें पांच लोगों का दल होता है जिसमें एक ड्राइवर, कमांडर, गनर और दो लोडर शामिल हैं।

जन हितैषी

न्यायाधीशों की टिप्पणियों से न्यायाधीश और न्यायपालिका की गिरती साख

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यसभा की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले की सुनवाई की। इस मामले में आरोपी विभव कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई। कोर्ट ने आरोपी विभव कुमार को गुंडा बता दिया। यह भी कह दिया, क्या किसी गुंडे को मुख्यमंत्री आवास में काम करना चाहिए। जमानत के मामले में सुप्रीम कोर्ट के जजों ने यह भी कह दिया, विभव कुमार के सिर पर सत्ता सवार हो गई है। अप्रत्यक्ष रूप से सुप्रीम कोर्ट के जजों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया। दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करते हुए यह भी पूछ लिया कि किसी महिला के साथ इस तरीके से पेश आना चाहिए। जमानत याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता और न्याय मूर्ति उज्जवल भुइयाँ कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा हम कॉन्टैक्ट किलर और हत्यारों को जमानत दे देते हैं। आरोपी ने इस मामले में नैतिकता को ताक पर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने यह भी कहा ?कि विभव कुमार के खिलाफ कौन गवाही देगा। मुख्यमंत्री का आवास क्या गुंडो को रखने के लिए है। मुख्यमंत्री का सरकारी निवास क्या उनका निजी आवास है। जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की इस तरह की टिप्पणी न्यायोचित नहीं। इस तरह की ?टिप्पणी हैं न्यायाधीशों के पद के अनुकूल हैं। स्वाति मालीवाल भी हमेशा विवादों में रही है। मुख्यमंत्री निवास का अपना एक प्रोटोकॉल होता है। जब मिलने का समय नहीं ?लिया गया था, तो उन्हें मिलने नहीं जाना चाहिए था। यदि स्वाती मिलने चली भी गई थी, तो उन्हें जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए थी। घटना का जिस तरह का वीडियो सामने आया है। उसको लाखों लोगों ने देखा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के उपराज्यपाल और स्वाति मालीवाल के बीच में जो राजनीतिक खिचड़ी पक रही है। वह मीडिया के जरिए सभी लोगों ने देखा और सुना है। जब तक अपराध सिद्ध ना हो जाए, तब तक इस तरह की टिप्पणी को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। जमानत की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट को जांच एजेंसी की जांच रिपोर्ट याचिकाकर्ता द्वारा जो तथ्य अपने बचाव में पेश किये थे, उनका परीक्षण करते हुए सुप्रीम कोर्ट को याचिकाकर्ता की याचिका को स्वीकार करे या ?निरस्त कर दें। जमानत पर सुनवाई करे जमानत देना या नहीं देना यह जज का अधिकार है। जब तक दोष सिद्ध नहीं हुआ है, किसी भी अपराधी के बारे में इस तरह की टिप्पणी को न्यायपालिका में कभी सही नहीं माना गया है। वर्तमान दौर में जब न्यायाधीश खुले मंच से अपनी विचारधारा को प्रदर्शित करते हुए या सरकार के प्रति एक अलग नजरिया रखते हुए मामलों की सुनवाई करते हैं। इसका असर अब न्यायपालिका की साख पर भी पड़ रहा है। जिसका दोष सिद्ध नहीं हुआ है, उसके बारे में शीर्ष न्यायालय द्वारा इस तरीके की जब टिप्पणी की जाती है। तब उसका असर राजनीतिक एवं व्यक्तिगत रुप से प्रभाव पड़ता है। अभी तक जो काम राजनीतिक दल और मीडिया ट्रायल के रूप में हो रहा था। यदि काम शीर्ष न्यायपालिका भी करने लगेगी। ऐसी ?स्थिति में लोगों को कैसे न्यायपा?लिका पर विश्वास होगा। जमानत के फैसले महीनों तक रिजर्व करके रखे जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट खुद कई बार कह चुकी है, ट्रायल कोर्ट जमानत के बारे में जल्द फैसला करें। हाईकोर्ट के डर से ट्रायल कोर्ट जमानत नहीं देते हैं। सुप्रीम कोर्ट में लोगों की आस्था होती है कि वहां पर गुण-दोष के आधार पर फैसला होगा। सुप्रीम कोर्ट के जजों पर सरकार अथवा अन्य कोई दबाव नहीं होगा। इस मामले में भी ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट होते हुए मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट को अधिकार था कि वह जमानत देती या नहीं देती। लेकिन ?जिस तरह की टिप्पणी जमानत की याचिका पर की गई है, वह न्यायपालिका की साख को कम करता है। न्यायपालिका के पास 60 से 70 फ़ीसदी मामलों में सरकार वादी या प्रतिवादी के रूप में सामने आती है। न्यायपालिका को वादी और प्रतिवादी को समान रूप से अवसर देना होता है। न्यायपालिका गुण दोष और गवाहों के आधार पर सुनवाई करने के बाद फैसला देती है। जमानत एक संवैधानिक अधिकार है। इस अधिकार को वाद और विवाद का विषय नहीं बनाया जा सकता है। पिछले वर्षों में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरह की टिप्पणियां न्यायाधीशों द्वारा की गई है उसका प्रभाव आरोपी के ?हितों के ?लिये कुठाराघात है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज जो ?टिप्पणी करते हैं, उसका असर ?निचली अदालतों एवं ट्रायल कोर्ट पर भी पड़ता है। ?पिछले कुछ वर्षों में लोगों को झूठे आरोपों में महीनों और वर्षों तक आरोपी को जमानत नहीं ?मिली। महीनों और सालों की सुनवाई के बाद ट्रायल कोर्ट से ?निर्दोष सा?बित हुए। जमानत नहीं देना नाग?रिकों के मौ?लिक अ?धिकारों के उल्लंघन का मामला भी बनता है। जमानत जैसे मामलों में हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के जजों की इस तरह की ?टिप्पणी से ?निचली अदालतों से भी लंबे समय तक जमानत का लाभ आरोपी को नहीं ?मिलता है। यह भी शीर्ष न्यायालयों के न्यायाधीशों को समझना होगा।

जाति... जाति... जाति... आखिर ये सोच जाती क्यों नहीं....?

(वही ढपली.... वही राग....!)

हम हमारी आजादी के हीरक जयंति मनाने की तैयारी जरूर कर रहे है, किंतु हमारी सोच आज भी वही एक शताब्दी पुरानी है, इसका ताजा उदाहरण हमारे देश के कर्णधारों और हमारे कथित भाग्यविधाता सांसद नेताओं द्वारा संसद का कीमती वक्त और देश की जनता की गाढ़ी कमाई की राशि ऐसी दकियानूसी सोच पर वाद-विवाद करके बरबाद करना है, क्या आज देश की ऐसी कोई समस्या शेष नही रह गई जिसके सुलझने पर संसद में चर्चा हो सके? क्या आज हर दृष्टि से पूरा देश खुशहाल है? फिर ऐसी फालतू विषयों पर फालतू वाद-विवाद क्यों किया जा रहा है, क्यों जिम्मेदार वरिष्ठ सांसदों द्वारा एक दूसरे की जाति पूछी जा रही है, अरे इसी जाति-धर्म ने देश के टुकड़े करवाए, क्या हमारे ये कर्णधार फिर उसी इतिहास को दोहराकर जाति-धर्म के आधार पर देश को पुनः विभाजित करना चाहते है? क्या ये वरिष्ठ राजनेता इस तथ्य से अनजान है कि संसद के प्रति मिनट की कार्यवाही पर देश को कितनी गाढ़ी कमाई खर्च होती है? फिर आखिर ऐसी अज्ञानता का प्रदर्शन क्यों?

भारत की आजादी के बाद प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने देश को सुचारू रूप से चलाने व सुख-शांति के लिए 'पंचशील सिद्धांत' बनाए थे, उनके चलते देश शांति से चला भाजपा के वरिष्ठत्तम नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने भी अपने प्रधानमंत्रित्व काल में उनका पालन किया, किंतु मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी ने एक दशक पहले पद ग्रहण करते ही सबसे पहला काम इन सिद्धांतों को रद्द करने का किया, इन्ही पंचशील सिद्धांतों में देश के हाथ धर्म जाति समन्वय की भी बात कही गई थी और अर्द्धशताब्दी तक इस देश की सरकारों ने इन पांच सिद्धांतों का सम्मान आदर किया इनके अनुसार देश चला और उसमें खुशहाली महसूस की गई और इन सिद्धांतों की तिलांजली के बाद आज देखिए देश और उसकी संसद में क्या हो रहा है, एक-दूसरे से उसकी जाति-धर्म पूछा जा रहा है और इसी पर हंगामा खड़ाकर संसद की अहम् बैठक स्थगित की जाती है? अरे.... हमारे भाग्यविधाताओं आखिर देश-जनता और विकास के मुद्दों पर आप संसद का सदुपयोग कब करोगें? क्या यह देश समस्य विहिन हो गया है? जो देश की सबसे बड़ी पंचायत फालतू की बातों में अपना वक्त और पैसा जाया कर रही है? क्या संसद में ऐसी चर्चा करने से हमारे देश की कीर्ति पताका पूरे विश्व में लहराएगी या देश में सुख शांति विराजित हो जाएगी? पर.... किया क्या जाए? अपनी-अपनी सोच है? आज एक ओर देश गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, यहां आम आदमी के लिए जीना मुश्किल हो जाता रहा है और हमारे मान्यवर जन प्रतिनिधि अपने ही राजनीतिक राग अलापे हुए है? अब इन्हें इनके दायित्व और कर्तव्य कौन समझाए? ये तो पिछले कई वर्षों से संसद व विधानसभाओं की शोभा बढ़ाए हुए है और जिनके कारण उन्हें ये विस्मृत करते जा रहे है, वास्तव में देखा जाए तो ये इतने दोषी नही है, जितने कि हम स्वयं, हम ही है जो हर पांच साल में इनकी चिकनी चुपड़ी बातों में झूठे आकर्षक वादों के झांसों में आकर इन्हें चुनकर बड़ी पंचायतों में भेज देते है और बाद में पछताते है।

इसलिए इन परिदृष्यों के लिए हम ही दोषी है और हम अपराधी इसलिए भी है, क्योंकि पिछले पचहत्तर वर्षों से हम अपने अधिकारों व कर्तव्यों के सदुपयोग का पाठ नही पढ़ पाए? अपना ही सिक्का खोटा है तो दोष किसे दिया जाए? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8088

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8087 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बेसिर-पैर की तो नहीं है राहुल की आशंका

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी यदि आधी रात को अपने सोशल मीडिया अकाउंट × पर अपने यहां ईडी के छापे की आशंका को सार्वजनिक करें तो सवाल उठता है कि क्या वे इस कार्रवाई के लिए तैयार हैं या इस आशंका से भयभीत हैं ? सदन में लगातार निडर रहो का मन्त्र जपने वाले राहुल गांधी अठारहवीं लोकसभा के सबसे मुखर सदस्य हैं। उन्होंने प्रतिपक्ष के नेता की हैसियत से सरकार की नींद हराम कर रखी है। इसलिए लगता है कि राहुल को घेरे जाने की तैयारी है ,और इसकी भनक लगते ही राहुल ने देश को आगाह कर दिया।

अदावत की सियासत के इस युग में किसके खिलाफ,कब ,कौन सी कार्रवाई शुरू हो जाये ,ये कोई नहीं जानता। राहुल तो प्रतिपक्ष के नेता हैं सत्तापक्ष के नेताओं को इस तरह की आशंकाएं लगातार सताती रहतीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों से ये आशंका लगातार झलकती है । वे निरंतर ये कहते आ रहे हैं कि वे किसी की नौकरी करने नहीं आये हैं। आखिर राहुल गांधी को और योगी आदित्यनाथ को इस तरह की बातें क्यों करना पड़ रहीं है ?

जग-जाहिर है कि मौजूदा निजाम ने पिछले दस साल में देश की राजनीति में भय और संदेह के ऐसे बीज बोये हैं जो अब जड़ें जमा चुके है। हर कोई एक-दूसरे को आशंका की नजर से देखता है । परस्पर विश्वास और सौहार्द को तो जैसे इस कालखंड में तिलांजलि दे दी गयी है। सत्तापक्ष के ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समय-समय पर आने वाले बयान भी इसी आशंका की पुष्टि करते हैं कि सब कुछ ठीकठाक नहीं है। सत्तापक्ष ही क्यों सत्तापक्ष की जननी माने जाने वाले राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख तक सरकार पर अहंकारी होने का आरोप लगा चुके हैं। भारत की समावेशी राजनीति के लिए ये सही नहीं है।

प्रतिपक्ष के नेता को सम्मान देने के बजाय उन्हें अपना मुख्य शत्रु मान बैठी सरकार सियासत को रसातल में और कितना गहरा उतारेगी ,पता नहीं है । देश के प्रधानमंत्री अपने ही दल के एक सदस्य की अत्यंत अभद्र टिप्पणी को जब सराहने लगते हैं तो समझ में आ जाता है कि देश की राजनीति की दशा और दिशा क्या है ? निरंतर धूमिल होते आभा मंडल से विचलित पंत प्रधान सियासत को अदावत में बदलकर न सिर्फ अपनी पार्टी के प्रति अपितु देश के प्रति एक गंभीर अपराध कर रहे हैं। उन्हें मान लेना चाहिए कि अब उनके युग का अंत सन्निकट है। प्रकृति ने उनके उत्तराधिकारी की व्यवस्था कर दी है। अब ये देशकाल और परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि उनका उत्तराधिकारी उनकी अपनी पार्टी से जन्म लेगा या विपक्ष से।

लोकसभा में ही नहीं राजयसभा में सत्तापक्ष घिरता जा रहा है। लोकसभा में कांग्रेस के चरणजीत सिंह चन्नी ने प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषधकार हनन का नोटिस दिया है और राज्य सभा में कांग्रेस के जयराम रमेश ने केंद्रीय गृहमंत्री माननीय अमितशाह साहब के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। जाहिर है कि दोनों ही सदनों में इस समय जो लोग पीठासीन अधिकारी हैं वे इन नोटिसों को स्वीकार करने वाले नहीं है। वे खुद डरे हुए लोग हैं। सत्ता से उपकृत लोग हैं। वे अपने आकाओं के विरुद्ध किसी कार्रवाई की इजाजत आखिर कैसे दे सकते हैं ?यदि ये नोटिस स्वीकर कर लिए जाएँ तो राज्य सभा में सरकार कि गिल्लियां उखड़ सकती हैं।

आने वाले दिनों में राहुल गांधी के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल हो या सीबीआई का इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। पहले भी सरकारी पार्टी की और से राहुल और उनकी मां को घेरने की कोशिश की गयी थी । राहुल की तो लोकसभा सदस्यता तक छीन ली गयी थी । उनसे सरकारी बँगला खाली करा लिया गया था । एसपीजी सुरक्षा तो बहुत पहले वापस ले ली गयी थी। लेकिन राहुल को अदालत ने ही नहीं जनता की अदालत ने भी उनका अधिकार और सम्मान दिलाया । सत्रहवीं लोकसभा में उनकी छीनी गयी सदस्य्ता अदालत ने वापस कराई थी और अठारहवीं लोकसभा में उन्हें रायबरेली के साथ ही वायनाड की जनता ने भी चुनकर लोकसभा भेजा,जबकि प्रधानमंत्री जी अपने ही लोकसभा चुनाव में हारते-हारते बचे।

राहुल की आशंका पर केंद्र की चुप्पी स्वाभाविक है । केंद्र यदि सफाई देगा भी तो कोई उस पर यकीन करने वाला नहीं है ,क्योंकि सरकार अपना विश्वास पहले ही खो चुकी है। जनता ने आम चुनाव में भाजपा के पर कतर कर ये पुष्टि भी कर दी। सत्तापक्ष को इस बात का अधिकार है कि वो राहुल गांधी की बढ़ती स्वीकार्यता को स्वीकार न करे ,किन्तु रेत में सिर छिपा लेने से आंधी का खतरा टल नहीं जाता।बेहतर हो कि सत्तापक्ष रेत में सिर देने के आने वाली आंधी के मुकाबले की लोकतान्त्रिक तरीके से तैयारी करे। मोशा की जोड़ी को समझना चाहिए कि अब भय दिखाकर वो न अपने दल में प्रीति पैदा कार सकते हैं और न विपक्ष में। भय बिन होय न प्रीति का फार्मूला कालातीत हो चुका है। त्रेता के इस मन्त्र का जाप करने से कलियुग में सिद्धि हासिल नहीं हो सकती।

पंत प्रधान को ये सुविधा है कि वे एक बार फिर राहुल गांधी द्वारा जताई गयी आशंका को उनकी बालक बुद्धि कहकर खारिज कर दें ,लेकिन सोच लें कि ये देश अब बालक और बैल बुद्धि को पहचान चुका है। पंत प्रधान जितनी गलतियां कर रहे हैं उतना लाभ अकेले राहुल को नहीं अपितु पूरे विपक्ष को मिल रहा है। वे खुशनसीब हैं कि संसद के दोनों सदनों में किसी सदस्य ने उनसे ये सवाल नहीं किया कि वे देश में वायनाड , हाथरस और मणिपुर के भीषण हादसों के बावजूद मौके पर आखिर क्यों नहीं गए ? क्या वे इन हादसों से द्रवित नहीं होते ? क्या उन्हें अपनी सुरक्षा का खतरा है ? या उन्होंने अपने पांवों में मेंहदी लगा रखी है ?? इस मामले में भाजपा के लिए बालक बुद्धि ही सही लेकिन राहुल का कोई जबाब नहीं है। उनका वायनाड जाना मजबूरी हो सकता है क्योंकि वे वहां के सांसद रहे हैं लेकिन वो जब लखीमपुर खीरी,मणिपुर,हाथरस जाते हैं तो समझ लीजिये कि वे एक जन प्रतिनिधि होने का नैतिक दायित्व पूरा कर रहे होते हैं,राजनीति नहीं। राजनीति तो उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दो चरण पूरे करके की थी। (लेखक-राकेश अचल / ईएमएस)

दोस्ती है जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम

(अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस - 4 अगस्त 2024)

मित्रता हर रिश्ते में प्रेम, विश्वास एवं आत्मीयता का रस घोलती है। दोस्ती एक अनूठा एवं विलक्षण रिश्ता है, जिसमें हम बिना संकोच के अपनी वास्तविकता प्रकट कर देते हैं। यह रिश्ता कर्तव्यों, नियमों एवं बंधनों से मुक्त है। यह रिश्ता हमें स्वतंत्रता देता है, जिससे हम जैसे हैं, वैसे ही रह सकते हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री (मित्रता) दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे की भावना हर जगह एक ही है- मित्रता एवं दोस्ती का सम्मान। मैत्री का दर्शन बहुत विराट है, स्वस्थ निमित्तों की श्रृंखला में यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बिना किसी आग्रह एवं स्वार्थ के जो मैत्री स्थापित करता है, वह सबके कल्याण का आकांक्षी रहता है, सबके अभ्युदय में स्वयं को देखता है और उसके जीवन में विकास के नये आयाम खुलते रहते हैं। जीवन खूबसूरत प्रतीत होता है। इसमें अपने-पराये का भेद नहीं रहता, न प्रतिस्पर्धा और न छोटे-बड़े की सीमा-रेखा होती है। वास्तव में मित्र उसे ही कहा जाता है, जिसके मन में स्नेह की रसधार हो, स्वार्थ की जगह परमार्थ की भावना हो, ऐसे मित्र सांसों की बांसुरी में सिमटे होते हैं, ऐसे मित्र संसार में बहुत दुर्लभ हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की, विभीषण और श्रीराम की दोस्ती इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है। सूरदास ने कहा है कि मित्रता का रिश्ता जीवन का सबसे मधुर रिश्ता होता है, जो जीवन में उत्कृष्टता का द्वार खोलता है।

अंतरराष्ट्रीय मैत्री दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता है, दक्षिण अमेरिकी देशों से शुरू हुआ यह त्योहार उरुग्वे, अर्जेटीना, ब्राजील में 20 जुलाई को, पराग्वे में 30 जुलाई को, जबकि भारत, मलेशिया, बांग्लादेश आदि दक्षिण एशियाई देशों सहित दुनियाभर के बाकी देशों में यह अगस्त महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। दोस्ती वह रिश्ता है जो आप खुद तय करते हैं, जबकि बाकी सारे रिश्ते आपको बने-बनाये मिलते हैं। जरा सोचिए कि एक दिन अगर आप अपने दोस्तों से नहीं मिलते हैं, तो कितने बेचैन हो जाते हैं और मौका मिलते ही उसकी खैरियत जानने की कोशिश करते हैं। आप समझ सकते हैं कि यह रिश्ता कितना खास है। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा कि ''लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वह मित्रता का पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।'' हमें दोस्ती के नये मूल्य-मानक गढ़ने हैं, मित्रता को जीवन में सार्थक रूप में स्थापित करना है। मित्रता प्रेम का नहीं बल्कि करुणा का पर्याय होनी चाहिए। क्योंकि प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार हैं जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है।

आज जिस तकनीकी युग में हम जी रहे हैं, उसने लोगों को एक-दूसरे से काफी करीब ला दिया है। लेकिन साथ ही साथ इसी तकनीक ने हमसे सुकून का वह समय छीन लिया है जो हम आपस में बांट सकें। आज हमने पूरी दुनिया को तो मुट्ठी में कैद कर लिया है, लेकिन इसके साथ ही हम खुद में इतने मशगूल हो गये हैं कि एक तरह से सारी दुनिया से कट से गये हैं। नयी सभ्यता एवं नयी संस्कृति में ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं को नई ऊर्जा देने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय फ्रेंडस दिवस मनाया जाना एक सार्थक उपक्रम है। दोस्ती के सुखद रिश्ते के पांच मूलमंत्र है-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को स्वीकार करना। एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और सम्मान करना। रिश्ते में हल्कापन और खुशी बनाए रखना। एक-दूसरे के प्रति विश्वास और ईमानदारी रखना। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समय और ध्यान देना। इन मत्रों को अपनाकर हम एक आदर्श दोस्ती स्थापित कर सकते हैं। क्योंकि दोस्ती ही एक ऐसा रिश्ता है जो वार्तमानिक परिवेश में जबकि मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- ''पहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।'' दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। मित्रता दिवस दोस्ती को अभिशाप नहीं, वरदान बनाने का उपक्रम है। यह दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि दोस्ती में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह। क्रांति निर्माण की दस्तक है, विद्रोह बरबादी का संकेत।

मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। इसीलिये अमरीकी लेखिका हेलेन केलर ने कहा है कि मैं अकेले उजालें में चलने के बजाय अंधेरे में एक दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।

हमें तन्हाई का कोई साथी चाहिए, खुशियों का कोई राजदार चाहिए और गलती पर प्यार से डांटने-फटकराने वाला चाहिए। यदि यह सब खूबी किसी एक व्यक्ति में मिले तो निःसन्देह ही वह आपका दोस्त होगा, मित्र होगा। वही दोस्त, जिसके रिश्ते में कोई स्वार्थ या छल-कपट नहीं बल्कि आपके हित, आपके विकास, आपकी खुशियों के लिये जिसमें सदैव एक तड़फ एवं आत्मीयता रहेगी। यों तो भारतीय संस्कृति और इतिहास में त्योहारों की एक समृद्ध परम्परा है, लेकिन अब हमारे देश में अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं प्रचलन से इसमें इजाफा हुआ है। अब हर दिन कोई-न-कोई पर्व, त्योहार या दिवस होता है। हमने फ्रेण्डशिप दिवस जैसे अनेक नये या आयात किये हुई पर्व एवं दिवसों को हमारी संस्कृति और जीवनशैली का हिस्सा बना लिया है। फ्रेण्डशिप दिवस यानी मित्रता दिवस, सभी गिले-शिकवे भूल दोस्ती के रिश्ते को विश्वास, अपनत्व एवं सौहार्द की डोर से मजबूत करने का दिन। प्रेषक (लेखक - ललित गर्ग / ईएमएस) (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

पक्ष -विपक्ष को टकराव की राजनीति से दूर रहना चाहिए

वर्तमान में संसद में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच अनर्गल, बेलगाम बोल के कारण दिन पर दिन अपसी टकराव की स्थिति बढ़ती जा रही है जो लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों को जनता ने जनमत आपस में टकराकर संसद काल का स्वर्णिम अवसर गवाने के लिये नहीं दिया बल्कि सकरात्मक बहस कर देशहित में सही कदम उठाने के लिये दिया है। सत्तापक्ष यदि मनमानी करता है, जनहित में उचित कदम नहीं उठाता है तो विपक्ष को विरोध करने का पूरा पावर जनता ने दे रखा है। विपक्ष की मांग पर पहल करना सत्तापक्ष का नैतिक दायित्व है। पर आजकल दोनों का नजरिया ही बदल गया है। जिसके वजह से आपसी टकराव की स्थिति दिन पर दिन बढ़ती जा रही है जिसें जनता के द्वारा चुने गये जनप्रतिधि सांसद के बेलगाम बोल आग में घी का काम कर रहे है।

अभी हाल हीं में संसद में चल रही चर्चा के दौरान विपक्ष नेता राहुल गांधी द्वारा जातीय जनगणना कराये जाने के मुद्दे पर सत्ता पक्ष के केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का किसी की भावना को ठेस पहुंचाने वाला बयान कि जातीय जनगणना की बात करने वाले को अपनी जाति का ही पता नहीं, आपसी टकराव का कारण बन गया है। इस मुद्दे पर देश भर में विरोध की लहर उठ खड़ी हुई है जो देशहित में कदापि नहीं। इस तरह के अनर्गल बयान से जो किसी की भावना को ठेस पहुंचाये, सम्मानीय जनप्रतिनिधि सांसद को बचना चाहिए।

जनता ने इस बार सत्ता पक्ष का जनमत का आकड़ा पहले से कम कर दिया है तथा विपक्ष को पहले से ज्यादा जनमत देकर मजबूत विपक्ष बनने का सुअवसर दिया है, इस बात को विपक्ष को नजरअदांज नहीं करना चाहिए। सत्ता पक्ष को मालूम है कि आज सत्ता वैसाखी पर टिकी है जो कभ भी धराशायी हो सकती है, उसके सामने एक तगड़ा विपक्ष सीना ताने खड़ा है। इस तरह के हालात में लोकतंत्र तभी सही रह सकता जब सांसद अपनी मर्यादा में रहें, अनर्गल बोल से बचे,

पक्ष - विपक्ष टकराव की राजनीति से दूर रहें, सत्ता पक्ष के सही कदम पर विपक्ष समर्थन देकर सकरात्मक विपक्ष की भूमिका निभाए, सत्ता पक्ष भी विपक्ष की बातें सुने , विचार करें एवं उसपर अमल करे तभी जनादेश का सही आदर हो सकेगा, लोकतंत्र सही चल सकेगा। सत्ता तो आज इधर है तो कल उधर, इस यर्थात को सभी को समझना होगा। देश एवं जनहित में जरूरी है कि पक्ष विपक्ष आपसी टकराव की राजनीति से दूर रहें। (लेखक- -डा. भरत मिश्र प्राची/ ईएमएस) (- स्वतंत्र पत्रकार एवं साहित्यकार)

खेल - समाचार

इतिहास रचने से चूकी मनु भाकर, भारत के हाथ से एक और पदक फिसला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए आज यानी शनिवार पर देश से लोगों की निगाह लगी थी वह इसलिए कि भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में अब तक दो पदक जीत चुकी निशानेबाज मनु भाकर एक और मेडल की तलाश में थीं। 25 मीटर पिस्टल के सिंगल्स में दूसरा स्थान पाकर मनु ने फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन वह मेडल जीतने से चूक गईं। फाइनल में शूट ऑफ में उनको बाहर होना पड़ा। आठ सीरीज के बाद 28 अंक लेकर मनु भाकर चौथे स्थान पर रहीं।

पहली सीरीज में मनु भाकर ने पांच में से दो शॉट 10.2 से ऊपर मारे और उनको दो अंक मिले थे। दूसरी सीरीज में पांच में से चार शॉट मारे और चौथे स्थान पर पहुंच गईं। तीसरी सीरीज में भी मनु ने 10.2 से ऊपर चार शॉट मारे और चौथे से दूसरे स्थान पर आ गईं। छठी सीरीज में पांच में से चार शॉट लगाते हुए वह दूसरे स्थान पर पहुंच गई। एलिमिनेशन में मनु ने पहली सीरीज में पांच में से तीन शॉट 10.2 से ऊपर मारे और छठे स्थान पर पहुंची। 5वीं सीरीज कमाल की रही और इसमें उन्होंने पांच में से पांच शॉट में फुल स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

उधर, एक-एक करके 4 शूटर एलिमिनेट हो गईं. अब मनु भाकर समेत चार शूटर बचीं. मनु का शॉट यहीं थोड़ा कमजोर पड़ गया। इसके चलते उनके और वेरोनिका मेजर के बीच तीसरे स्थान पर आने के लिए शूटऑफ हुआ। शूट ऑफ में मनु भाकर का एक कमजोर शॉट उन्हें मेडल राउंड से दूर कर गया. वेरोनिका आगे बढ़ गईं और मनु भाकर चौथे स्थान पर रह गईं।

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में अपना अभियान दो मेडल के साथ खत्म किया. इसके साथ ही मनु भाकर ने ओलंपिक इतिहास में सबसे कामयाब भारतीय खिलाड़ी के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया है। भारत की इस लाडली ने पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पहला मेडल जीता था. उन्होंने 28 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। मनु ने इसके बाद 30 जुलाई, मंगलवार को सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

खलीफ और करिनी विवाद पर आईओसी का बयान

पेरिस (ईएमएस)। ओलंपिक में एक महिला बॉक्सिंग मैच के दौरान हुए विवाद को लेकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने बयान दिया है। ओलंपिक में अल्जीरिया की मुक्केबाज ईमान खलीफ और इटली की मुक्केबाज एजेला करिनी के बीच हुए मैच के बाद विवाद खड़ा हुआ है। खलीफ और करिनी के बीच हुआ मैच 46 सेकेंड के बाद ही खत्म हो गया था। इटली की मुक्केबाज करिनी मैच के तीस सेकेंड के भीतर एक पंच खाने के बाद हेड गियर ठीक करने कोच के पास पहुंच गई थीं।

फिर मुकाबला शुरू होने के चंद सेकेंड बाद ही उन्होंने आगे मैच खेलने से इंकार किया था। इसके बाद से अल्जीरिया की मुक्केबाज खलीफ को लेकर विवाद शुरू हो गया था। उनके पुरुष होने की बात कही जा रही थी। इस विवाद पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और पेरिस ओलंपिंक की बॉक्सिंग यूनिट ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के खेलों में भाग लेने का अधिकार है।

बयान में कहा गया है कि पेरिस ओलंपिक के बॉक्सिंग टूर्नामेंट में सभी खिलाड़ी पात्रता और प्रवेश नियमों के मुताबिक हिस्सा ले रहे थे। साथ ही सभी खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की बॉक्सिंग यूनिट के तय किए मेडिकल नियमों का अनुपालन भी करते हैं। पिछली ओलंपिक प्रतियोगिताओं की तरह एथलीटों की उम्र और उनका जेंडर पासपोर्ट आधारित है। दरअसल 2023 में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के दौरान खलीफ को बाहर कर दिया गया था।

नई दिल्ली में आयोजित चैंपियनशिप में इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने कहा था,' जांच के आधार पर पाया कि चैंपियशिप में हिस्सा ले रही कई बॉक्सरों ने चालाकी से खुद को महिला के तौर पर पेश करने की कोशिश की। लेकिन टेस्ट के बाद पाया कि उनमें एक्स और वाई क्रोमोजोम थे। इसतरह के एथलीट प्रतियोगिता से बाहर किए जाते हैं।

क्वार्टर फाइनल में दीपिका हारीं, पदक की उम्मीद हुई खत्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन शनिवार को भारत ने दो मेडल जीतने के मौके गंवा दिए हैं। मनु भाकर महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में 28 शॉट्स के साथ चौथे पायदान पर रहीं। 8 सीरीज में मनु सिर्फ एक ही बार 5 में से 5 शॉट्स लगाने में कामयाब रहीं। उन्होंने कुल 40 में से 28 शॉट्स लगाए। इसके साथ उनका पेरिस ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक लगाने का सपना अधूरा रह गया। वहीं पेरिस ओलंपिक की तीरंदाजी की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में दीपिका कुमार को साउथ कोरिया की सुहयोन से हार का सामना करना पड़ा। दीपिका ने 4-6 से ये मैच गंवाया। युवा भजन कौर शूट ऑफ में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। इससे पहले 2012 लंदन ओलंपिक में वह राउंड ऑफ 64 में हारीं थी। 2016 रियो में प्री क्वार्टर फाइनल में, जबकि टोक्यो में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी।

भजन कौर शूट ऑफ में हारी....दीपिका से उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के पेरिस ओलंपिक में यह सप्ताह मेडल वीक है, क्योंकि हर दिन भारतीय एथलीट के पास पदक जीतने का मौका होगा। भारत की स्टार तीरंदाज दीपिका से पदक की उम्मीद है। प्री-क्वार्टर फाइनल में दीपिका का मुकाबला जर्मनी की खिलाड़ी के साथ हुआ। उन्होंने मुकाबला 4-6 से जीत क्वार्टर फाइनल पहुंची। भजन कौर ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी कर स्कोर 5-5 से बराबर किया।

भजन कौर शूट ऑफ में हारी

भजन कौर का प्री-क्वार्टर फाइनल मैच इंडोनेशिया की खिलाड़ी के खिलाफ हुआ। भजन ने पहले सेट में 28 स्कोर किया और 29 का स्कोर करके विरोधी खिलाड़ी ने 2 अंक हासिल करते हुए बढ़त बनाई। दूसरे सेट में 27 और 25 के अंतर से भारतीय खिलाड़ी ने जीत हासिल की। तीसरे सेट में इंडोनेशिया की तीरंदाज ने 26 के मुकाबले 28 का स्कोर कर 4-2 की बढ़त बनाई। चौथा सेट 28-28 से बराबर रहा और भजन ने मुकाबला 3-5 कर दिया। 5वें सेट के बाद स्कोर 5-5 से बराबर रहा और मुकाबला शूट ऑफ में पहुंचा। आखिरी शॉट लगाने का मौका दोनों खिलाड़ी को दिया गया है। यहां इंडोनेशिया की तीरंदाज ने 9 स्कोर किया जबकि भजन 8 अंक ही हासिल कर सकी।

दीपिका क्वार्टर फाइनल में

गोल्डन गर्ल दीपिका का मुकाबला जर्मनी की खिलाड़ी के साथ हुआ। पहले राउंड में दीपिका ने 2 अंक हासिल किए, दूसरा सेट बराबरी रहने की वजह से उन्हें 1 अंक मिला। तीसरे सेट को अपने नाम कर दीपिका ने 2 अंक लेकर 5-1 की बढ़त हासिल कर ली। चौथा सेट जीतने के साथ ही स्कोर जर्मन खिलाड़ी ने 3-2 कर दिया। आखिरी सेट अपने नाम करने के साथ ही भारतीय स्टार ने जीत हासिल कर की।

अर्जेंटीना को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा फ्रांस

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर पेरिस ओलंपिक के पुरुष फुटबॉल सेमीफाइनल में पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पांचवें मिनट में माइकल ओलिसे के कॉर्नर किक के बाद फ्रांसीसी स्ट्राइकर जीन-फिलिप माटेटा ने हेडर से जोरदार हमला किया, जो मैच का एकमात्र गोल साबित हुआ। अर्जेंटीना के लिए सबसे अच्छा मौका 36वें मिनट में आया जब एक क्रॉस पर गेंद गोल के सामने अनमार्क सौंगौटी मगासा को मिली, लेकिन डिफेंडर का क्लोज-रेंज हेडर बार के ऊपर से निकल गया।

अब सेमीफाइनल में फ्रांस का मुकाबला मिस्त्र से होगा, मिस्त्र ने पेनल्टी में पराग्वे को हराने में कड़ी मेहनत की। ओवरटाइम में दोनों पक्षों ने 1-1 की बराबरी हासिल की, जिससे खेल शूट-आउट में चला गया। मिस्त्र ने पेनल्टी किक में 5-4 से जीत हासिल की जब उसके गोलकीपर अला हमजा ने मार्सेलो पेरेज़ के प्रयास को मौके से बचा लिया। 71वें मिनट में डिएगो गोमेज़ के गोल के बाद पराग्वे को 1-0 से बढ़त मिलने के बाद पराग्वे को एक बेहतर मौका मिलता दिख रहा था। मिस्त्र ने धैर्य रखाकर 88वें मिनट में एडेल इब्राहिम ने जिजो की सहायता से गोल करके बराबरी कर ली।

दूसरे सेमीफाइनल में स्पेन का मुकाबला मोरक्को से होगा। फ़र्मिन लोपेज़ के दो गोल और एबेल रुइज के गोल की बदौलत स्पेन ने जापान को हराया। जापान ने दो बार पोस्ट को हिट किया और खेल के दौरान एक गोल अस्वीकार कर दिया गया। मोरक्को ने अमेरिका को 4-0 से हरा दिया। ओकी टीम ने खेल पर कड़ा नियंत्रण रखा और पूरे मैच में अमेरिकी टीम के एक शॉट के मुकाबले गोल पर आठ शॉट लगाने में सफल रही।

दूसरा वनडे आज, श्रीलंकाई स्पिनर की चुनौती से निपटना होगा भारत को

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे शुरू होगा।

कोलंबो (ईएमएस)। भारत को श्रीलंका के खिलाफ दबदबा बनाए रखना है तब रविवार को दूसरे एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में स्पिनरों की धीमी पिच से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। टीम पहले वनडे मैच में 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय तिन विकेट पर 130 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी। लेकिन इसके बाद श्रीलंकाई स्पिनर हावी हुए और टीम 230 रन पर आउट हो गई जिससे मैच टाई रहा। रोहित शर्मा ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की लेकिन इसके बाद श्रीलंका के स्पिनरों ने अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।

भारत ने उनका सामना करने के लिए विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को उतारा जिन्हें स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ काफी सफलता मिली है। इन तीनों को किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई लेकिन वे स्वच्छंद होकर बल्लेबाजी नहीं कर सके। कोहली पर बाएं हाथ के स्पिनर डुनिथ वेलालेज और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने लगाम रखी। पिच काफी धीमा खेल रही थी और इसके बाद स्पिनर का सामना करना आसान नहीं था। यहां तक के बाद में मुख्य रूप से बल्लेबाज श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका ने भी गेंदबाजी की और तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर मैच को टाई कराया। भारतीय बल्लेबाजों को साझेदारी निभाने की जरूरत थी लेकिन वह इसमें नाकाम रहे।

दूसरी ओर श्रीलंका के पाथुम निसांका और वेलालेज ने दूसरे छोर पर विकेटों की झड़ी के बावजूद अर्धशतक जमा कर दिखाया कि इस तरह के विकेट पर किस तरह से बल्लेबाजी करनी चाहिए। उन्होंने कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर का प्रभावी ढंग से सामना किया। शुभमन गिल सहित भारत के चार स्पिनरों ने 30 ओवर में 126 रन देकर चार विकेट लिए जबकि श्रीलंका की तरफ से स्पिन गेंदबाजों 37.5 ओवर किए और 167 रन देकर नौ विकेट लिए।

भारतीय स्पिनरों को रन रोकने के साथ ही विकेट हासिल करने पर भी ध्यान देना होगा। भारत बल्लेबाजी में एक बदलाव करके ऋषभ पंत या रियान पराग को मौका दे सकता है जिनका स्पिनर के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड रहा है। यह दोनों बल्लेबाज अपरंपरागत शॉट खेल कर उनकी लय बिगाड़ सकते हैं। वेलालेज ने वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल के खिलाफ स्वीप और रिवर्स स्वीप का अच्छा इस्तेमाल किया। पराग स्पिनर की भूमिका भी निभा सकते हैं लेकिन यह देखना होगा कि भारतीय टीम प्रबंधन केवल एक मैच के बाद टीम में बदलाव करता है या नहीं क्योंकि हाल के दिनों में उसकी ऐसी रणनीति नहीं रही है।

टीम इस प्रकार हैः

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

श्रीलंकाः चरित असलांका (कप्तान), पाथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेलालेज, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, अकिला धनंजय, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना, असिथा फर्नांडो। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे शुरू होगा।

बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन गोल्ड से कुछ कदम दूर, एक शॉट्स से विरोधी हैरान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक में इतिहास रच दिया। इस युवा खिलाड़ी ने पेरिस में कमाल कर दिखाया इससे पहले किसी भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी ने नहीं किया। ओलंपिक कोर्ट में अपना दम दिखाते हुए बड़े-बड़े खिलाड़ियों को चित किया और सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

पेरिस ओलंपिक में भारत बैडमिंटन में पुरुष सिंगल्स में पहली बार मेडल जीतने के करीब पहुंच गया है। लक्ष्य सेन ने शुक्रवार शाम ताइपे के खिलाड़ी चोउ तिएन चेन के साथ खेलते हुए पहला सेट हारने के बाद 19-21, 21-15 और 21-12 से जीत लिया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब लक्ष्य के पास भारत के लिए गोल्ड जीतने का मौका है। लक्ष्य ने इस ओलंपिक में ना सिर्फ अपने खेल से बड़ी रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को मात दी है बल्कि अपने शॉट्स और कोर्ट कवरेज से भी सुर्खियां बटोरी है।

लक्ष्य का डेनमार्क के खिलाड़ी के खिलाफ लगाया गया शॉट वायरल हो रहा है। यह एक पुराने मैच की क्लिप है जिसमें वह सामने की तरफ गिरते हुए शटल मारते हैं और फिर पलट झपकते ही उठकर पीछे जाकर नीचे गिरते शटल को मारकर डेनमार्क के खिलाड़ी के खेमे में पहुंचा देते हैं। शॉट इतना जबरदस्त था कि विरोधी खिलाड़ी कुछ कर नहीं पाया और अपना माथा पकड़ कर रह गया।

पेरिस ओलंपिक में उठे कई विवाद

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक शुरु हुए एक सप्ताह हो गया है। इस दौरान कई विवाद भी सामने आये हैं। ये विवाद उद्घाटन समारोह से ही शुरु हो गये थे। सबसे पहले रंगारंग समारोह के दौरान दिखाई झांकी को लेकर विवाद हुआ। यह झांकी मशहूर पेंटर लियोनार्दो की पेंटिंग 'द लास्ट सपर' से प्रेरित थी जिसमें देवदूतों की जगह अजीबोगरीब मेकअप किए गए ड्रैग क्वीन खड़े थे। इस झांकी पर दुनियाभर के कई देशों ने विरोध जताया जिसके बाद आयोजकों को माफी मांगनी पड़ी।

इजरायली जूडोका से ताजिकिस्तान के खिलाड़ी ने हाथ मिलाने से मना किया

ओलंपिक में फिलिस्तीन-इजरायल विवाद का असर भी देखने को मिल रहा। जूडो इवेंट में इजराइल के बरूच शामिलोव और ताजिकिस्तान के नूराली इमोमाली के बीच मुकाबला हुआ। इसमें ताजिकिस्तान के जूडोका ने जीत हासिल की लेकिन मुकाबले के बाद इजरायल के खिलाड़ी से हाथ मिलाने से मना कर दिया। ताजिकिस्तान के ये खिलाड़ी अगले मुकाबले में बाहर हो गया।

ब्रिटेन के तैराक को अयोग्य घोषित करने पर उठे सवाल

तैराकी मुकाबले में उस समय विवाद की स्थिति बनी जब पेरिस ओलंपिक की 200 मीटर बैकस्ट्रोक इवेंट की चौथी हीट में ब्रिटिश स्वीमर ल्यूक ग्रीनबैंक को अयोग्य घोषित कर दिया गया। ऐसा लगा कि मुकाबले में ग्रीनबैंक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है पर उन्हें इस आधार पर अयोग्य माना गया कि वे स्टॉर्ट लेने के 15 मीटर के बाद भी पानी के अंदर थे जिसकी इजाजत नहीं है। ग्रीनबैंक इस इवेंट मेडल के दावेदारों में थे, ऐसे में उन्हें डिस्क्वालिफाई किए जाने के फैसले पर खूब टीका टिप्पणी हुई। इसी इवेंट के सेमीफाइनल्स में चीन के मशहूर स्वीमर शु जिआयु के नहीं उतरने पर भी सभी ने सवाल उठाये।

पेरिस ओलंपिक के दौरान फ्रांस का हिजाब कानून भी विवादों में रहा। फ्रांस ने अपनी महिला एथलीट के हेडस्कार्फ पहनकर मैदान में मुकाबले के लिए उतरने पर प्रतिबंध लगा दिया था। फ्रांस के खेल मंत्री पिछले साल ही यह ऐलान कर चुके हैं कि देश की कोई भी महिला खिलाड़ी ओलंपिक में हेडस्कार्फ पहनकर हिस्सा नहीं ले सकेगी। वैसे ओलंपिक 2024 में दूसरे देशों की महिला एथलीट हेडस्कार्फ पहनकर मैदान में उतर रही हैं। फ्रांस सरकार के इस फैसले का मुल्क में एक तबके द्वारा विरोध करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया जा रहा है।

ओलंपिक में अल्जीरिया की इमान खलीफा और इटली की महिला मुक्केबाज एंजेला कारिनी के मुकाबले में भी जेंडर टेस्ट को लेकर विवाद उठा। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी (आईओसी) को स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा। इसकार कारण था कि खलिफा जेंडर एलिजबिलिटी टेस्ट' में नाकाम रही थीं और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बाद में 46 सेकंड के बाद ही इटली की बॉक्सर कारिनी ने रोते हुए मैदान छोड़ दिया था। उन्होंने मुकाबले में अपने साथ अन्याय बताते हुए खलीफा से हाथ मिलाने से भी मना किया। रैफरी द्वारा खलीफा को विजेता घोषित किए, जाने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। इटली के पीएम ने कहा, 'मुझे लगता है कि जिन एथलीटों में पुरुष आनुवंशिक विशेषताएं हैं उन्हें महिलाओं की इवेंट में भाग लेने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।' वहीं आईओसी ने विवादित मुक्केबाज को ओलंपिक 2024 में खेलने की इजाजत देने के फैसले का बचाव किया। रुवार को अल्जीरिया की इमाने खेलीफ महिलाओं की 66 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले में इटली के एंजेला कारिनी के खिलाफ जीत हासिल की थी। मैच शुरू होने के 46 सेकंड बाद ही कारिनी ने मैच से हटने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि खेलीफ के पंच इतने तगड़े थे कि उन्हें लगा कि वह चोटिल हो जाएंगी। खेलीफ का एक पंच कारिनी ने नाक पर जाकर लगी और वह दर्द के मारे कराह उठी थीं। बाद में खेलीफ पर पुरुष गुणसूत्रों वाला खिलाड़ी होने के आरोप लगे थे। खेलीफ को पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में एक्सवाई गुणसूत्र होने के आरोप लगे थे।

भयावह युद्ध की आहट! अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में तैनात किए लड़ाकू विमान

इजराइल का साथ देने तैनात किए गए हैं वारशिप

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग अभी अंतिम चरण में पहुंची भी नहीं थी कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका ने इजराइल की मदद के लिए लड़ाकू विमान और वारशिप तैनात कर दिए हैं। अमेरिका के इस कदम से भयावह युद्ध की आहट और तेज होती नजर आ रही है।

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच अमेरिका ने एंट्री करते हुए मिडिल ईस्ट में इजराइल के फेवर में लड़ाकू विमान तैनात कर दिए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की जारी रिपोर्ट में यह बताया गया है, कि मध्य पूर्व में एक लड़ाकू जेट स्क्वाड्रन ले जाने का फैसला किया गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह फैसला ईरान के संभावित हमले से इजराइल को बचाने के लिए किया गया है। लड़ाकू विमान की तैनाती का फैसला अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा और सैन्य उपस्थिति की मजबूती को ध्यान में रखकर किया गया है। अमेरिका ने आगामी एक साल तक इजराइल की सुरक्षा के लिए इस क्षेत्र में एक युद्ध वाहक रखे जाने का फैसला लिया है, लेकिन अमेरिका कहां लड़ाकू जेट स्क्वाड्रन तैनात करेगा इसकी अभी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। अमेरिकी डिफेंड सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन के मुताबिक यूरोपियन और मध्य पूर्व क्षेत्रों के लिए एक्स्ट्रा बैलिस्टिक मिसाइल भेजे गए हैं। अमेरिका के इस कदम से साफ जाहिर हो चुका है कि यदि युद्ध होता है तो अमेरिका इजराइल के साथ खड़ा नजर आएगा।

गौरतलब है कि ईरान के एक शीर्ष कार्यक्रम में हमास नेता इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह कमांडर की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद ईरान ने इजराइल पर हत्या का इल्जाम लगाते हुए बदला लेने का ऐलान कर दिया। एक नए युद्ध की आशंका के चलते दुनिया के तमाम देश अलर्ट मोड पर आ चुके हैं।

नेतन्याहू ने की बाइडन से बात

एक और भयावह युद्ध की आहट के बीच मिसाइल तैनाती से पूर्व ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से वार्ता की है। जानकारी अनुसार इस बातचीत के दौरान मिसाइल, ड्रोन और युद्ध को लेकर सैन्य तैनाती पर भी गंभीर चर्चा की गई। गौरतलब है कि इससे पहले अप्रैल माह में जब इजराइल के खिलाफ दर्जनों मिसाईलें दागी गईं थीं तब अमेरिकी ड्रोन ने उन्हें रोका था। ऐसे में अमेरिका का नया कदम इजराइल को मजबूती प्रदान करने वाला है।

बांग्लादेश आरक्षण आंदोलन में 10000 से ज्यादा छात्र और विपक्षी नेता गिरफ्तार

आंदोलनकारियों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर भारी हिंसा फैल गई है। रोजाना हजारों की संख्या में छात्र, विपक्षी दल के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रहे हैं। 18 जुलाई से ढाका और बांग्लादेश के विभिन्न जिलों में यह प्रदर्शन बड़े पैमाने पर हो रहे हैं।

पिछले तीन दिनों में आंदोलन हिंसक हो गया है। पुलिस को प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस और लाठी चार्ज करके प्रदर्शन कारियों को निर्यंत्रित करना पड़ रहा है। पिछले तीन दिनों में बांग्लादेश की पुलिस ने 10000 के आसपास प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेलों में भेज दिया गया है। प्रदर्शनकारियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किये गये हैं।

18 जुलाई से बांग्लादेश के सभी शैक्षणिक संस्थान बंद है। बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमाते इस्लामी के नेताओं, कार्यकर्ताओं, छात्रों को बड़ी संख्या में पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज रही है। बांग्लादेश के शिक्षा मंत्री मोहबिल हसन चौधरी का कहना है। वर्तमान हालात को देखते हुए सरकार शिक्षण संस्थानों को अभी बंद रखेगी। आरक्षण आंदोलन के कारण बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था और कानून व्यवस्था की हालत बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

जब अर्शदीप की एक गलती से मैंच हो गया टाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 2 अगस्त को खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों के बीच मुकाबला टाई हो गया। भारतीय टीम मैच को जीतने की प्रमुख दावेदार थी, लेकिन मैच के अंतिम क्षणों में हुई एक छोटी सी गलती ने टीम से जीत छीन ली। इस गलती के लिए सोशल मीडिया पर भारतीय खिलाड़ी अर्शदीप सिंह को ट्रोल किया जा रहा है।

मैच के अंतिम ओवर में टीम इंडिया को जीत के लिए 14 गेंदों पर केवल एक रन की जरूरत थी, लेकिन टीम के पास कोई विकेट नहीं था। क्रीज पर अर्शदीप और मोहम्मद सिराज मौजूद थे। भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि अर्शदीप इस महत्वपूर्ण स्थिति में एक सिंगल लेकर मैच को जीत लेंगे। हालांकि, अर्शदीप ने कुछ ऐसा किया, जिससे मैच टाई हो गया और उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर नाराजगी व्यक्त की गई।

जब टीम को केवल एक रन की आवश्यकता थी, अर्शदीप ने आते ही बड़े शॉट खेलने की कोशिश की, जिससे वे एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। फैंस का मानना है कि अर्शदीप की गलती के कारण टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा और मैच टाई हो गया। इसकारण सोशल मीडिया पर अर्शदीप को लेकर काफी चर्चा और आलोचना हो रही है। एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, अर्शदीप सिंह की क्रिकेटिंग समझ पर सवाल उठता है। 14 गेंदों में सिर्फ एक रन चाहिए था और उनके हाथ में सिर्फ एक विकेट था। वह छक्का लगाने की कोशिश कैसे कर सकते थे? क्या यह निडर क्रिकेट था या एक बड़ी भूल?

बांग्लादेश में टी20 विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी भारतीय महिला टीम

सिडनी (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इस माह ऑस्ट्रेलिया से एक टी20 सीरीज खेलनी है। तीन मैचों की इस सीरीज के बाद भारतीय टीम तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलेगी। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा।

इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पहला टी20 मैच 07 अगस्त , दूसरा टी20 09 अगस्त जबकि तीसरा तीसरा टी20 11 अगस्त को खेला जाएगा।

नेटवर्क नहीं आया तो अब कंपनी होगी जिम्मेदार, मिलेगा मुआवजा!

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नए नियमों के तहत प्रत्येक गुणवत्ता मानक को पूरा करने में विफल रहने पर दंडात्मक राशि को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है। नियामक ने संशोधित नियमों पहुंच (वायरलाइन और वायरलेस) और ब्रॉडबैंड (वायरलाइन और वायरलेस) सेवा गुणवत्ता मानक विनियम, 2024 के तहत नियम उल्लंघन के विभिन्न पैमानों के लिए एक लाख रुपये, दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये की श्रेणीबद्ध जुर्माना प्रणाली शुरू की है।

नए मानदंड तीन अलग-अलग विनियमों बेसिक तथा सेल्युलर मोबाइल सेवाओं, ब्रॉडबैंड सेवाओं, और ब्रॉडबैंड वायरलेस सेवाओं के लिए सेवा की गुणवत्ता का स्थान लेते हैं। नए नियमों के मुताबिक, किसी जिले में नेटवर्क बाधित होने की स्थिति में दूरसंचार परिचालकों को पोस्टपेड ग्राहकों के लिए किराए में छूट देनी होगी जबकि प्रीपेड ग्राहकों के लिए कनेक्शन की वैधता बढ़ानी होगी। ट्राई ने कहा ?कि यदि कोई ऐसी नेटवर्क गतिरोध 24 घंटे से अधिक समय तक जारी रहता है, तो सेवा प्रदाता अगले बिल में उसे जिले के पंजीकृत ग्राहकों को छूट देगा। नियामक किराये में छूट या वैधता के विस्तार की गणना के लिए कैलेंडर दिवस में 12 घंटे से अधिक की नेटवर्क बाधा अवधि को एक पूर्ण दिन के रूप में गिनेगा। हालांकि प्राकृतिक आपदा के कारण दूरसंचार सेवाएं बाधित होने की स्थिति में यह राहत नहीं मिलेगी।

देश में सोने की कीमतों में तेजी जारी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। देश में सोने की कीमत में शनिवार को भी बढ़ोतरी देखने को ?मिली है। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 70,850 रुपए हो गई है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,700 रुपए प्रति 10 ग्राम और चेन्नई में 70,480 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। वहीं चांदी का भाव भी बढ़कर 87,300 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) हर शनिवार और रविवार को बंद रहता है। शुक्रवार को एमसीएक्स सोने का वायदा भाव 69,792 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 82,549 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। देश के अन्य प्रमुख शहरों में सोने की कीमत इस प्रकार है- चेन्नई में 22 कैरेट सोना 64,610 ओर 24 कैरेट 70,480 रुपए, कोलकाता में 22 कैरेट 64,810, 24 कैरेट 70,700, गुरुग्राम में 22 कैरेट सोना 64,960, 24 कैरेट 70,850, लखनऊ 22 कैरेट 64, 960, 24 कैरेट 70,850, बेंगलुरु में 22 कैरेट 64, 810, 24 कैरेट 70,700, जयपुर में 22 कैरेट 64,960, 24 कैरेट 70,850, पटना 22 कैरेट 64,860, 24 कैरेट 70, 750, भुवनेश्वर 22 कैरेट, 64,810, 24 कैरेट70,700और हैदराबाद में 22 कैरेट सोना 64,810 और 24 कैरेट सोना 70,700 रुपए प्र?ति दस ग्राम है।

9/11 के गुनहगारों को मौत की सजा रद्द करने वाली डील अमेरिका ने की निरस्त

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका ने 9/11 हमलों के गुनहगारों के साथ की डील को रद्द कर दिया है, जिसके तहत उन्हें सजा-ए-मौत से बचाया गया था। इसमें खालिद शेख भी शामिल है। अमेरिकी रक्षा सचिव ने घोषणा की कि गुनहगारों को सजा-ए-मौत से बचाने बचाने वाली डील को लेकर काफी आलोचना हो रही थी। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से इसका काफी विरोध किया जा रहा था।

उन्होंने कहा कि क्यूबा के ग्वांतानामो वॉर कोर्ट की पर्यवेक्षक को इस मामले से बाहर कर दिया और मामले की पूरी जिम्मेदारी अमेरिका ने अपने हाथ में ले ली। अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए तत्काल प्रभाव से तीनों प्री-ट्रायल समझौतों को वापस ले लिया है। 9/11 गुनहगारों के साथ याचिका समझौतों को कई रिपब्लिकन सांसदों से विरोध का सामना करना पड़ा, जिसमें प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन और सीनेट अल्पसंख्यक नेता मिच मैककोनेल शामिल हैं, जिन्होंने समझौतों की आलोचना की थी। रक्षा सचिव का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब खालिद शेख मोहम्मद समेत तीन गुनहगार अपनी गुनाही कबूल करने के लिए राजी थे।

तीन गुनहगार क्यूबा के ग्वांतानामो जेल में बंद हैं और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। डील के तहत गुनहगारों की सजा-ए-मौत को रद्द किया जाना था, जिसकी आलोचना हुई। खालिद शेख को ग्वांतानामो जेल में सबसे कुख्यात कैदी के रूप में जाना जाता है। वह 11 सितंबर के हमले के संदिग्ध को हिरासत में रखने के लिए बनाए गए क्यूबा के ग्वांतानामो बे जेल में हैं।

बता दें 9/11 हमले में तीन हजार लोगों की मौत हो गई थी। याचिका डील में खालिद शेख के अलावा मुहम्मद सलीह मुबारक बिन अत्ताश और मुस्तफा अहमद आदम अल हौसावी का भी नाम शामिल था, जिनको सजा-ए-मौत की सजा रद्द की जानी थी।

भगवान का चमत्कार........25 मिनट के लिए मर गया छात्र

लंदन (ईएमएस)। चिकित्सा की दुनिया में भी अक्सर हैरान करने वाले अनुभव होते हैं। एक ब्रिटिश छात्र को साइलेंट किलर बीमारी के कारण एक गंभीर सर्जरी के दौरान 25 मिनट के लिए मरना पड़ा, इस बारे में छात्र को कभी पता ही नहीं था। 20 साल के चार्ली विंसेंट को अमेरिका की यात्रा के दौरान सनबर्न के कारण जलन के साथ अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां उपचार के दौरान दूसरी समस्या दिखी और उसका ऑपरेशन करते समय हालत और बिगड़ी और चार्ली 25 मिनट के मृत ही पड़ा रहा जिसके बाद एक चमत्कार ने बचा लिया।

डॉक्टरों ने तुरंत देखा कि उपचार के दौरान उसके फेफड़ों पर निमोनिया के पैच थे। थर्म्पटनशायर के इस युवा ने श्वसन संक्रमण के लिए एक ऑपरेशन करवाया था, लेकिन सर्जरी के दौरान छात्र को शॉक कार्डियक अरेस्ट हुआ। चार्ली को एक छोटा स्ट्रोक आया, क्योंकि डॉक्टरों ने उसके दिल की धड़कन को फिर से शुरू करने का प्रयास किया। उसके परिवार ने कहा कि चार्ली के दिल को फिर से शुरू होने में 25 मिनट लग गए।

छात्र अमेरिका में गर्मी की छुट्टियों में कैम्प का हिस्सा बनकर छह साल के बच्चों को कैनोइंग सिखाने के लिए न्यू हैम्पशायर में था। बाहर रहने के कुछ ही घंटों बाद चार्ली के पैरों पर अत्यधिक धूप की जलन हो गई। छात्र को इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जांच के बाद डॉक्टरों ने पाया कि उसके फेफड़ों में निमोनिया है और साथ ही उसका दिल बड़ा हो गया है जिससे उसके महत्वपूर्ण अंग सामान्य से अधिक काम कर रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि चार्ली को जन्म से ही खतरनाक हृदय संबंधी समस्या थी, जिसे कार्डियोमेगाली के रूप में जाना जाता है। लेकिन निमोनिया के कारण यह भड़क सकता है और बढ़ सकता है। चार्ली ने लगभग घातक सर्जरी के बाद एक सप्ताह तक कोमा में बिताया। लेकिन जब उसके अंगों में सुधार के संकेत दिखने लगे तब डॉक्टर हैरान रह गए।चार्ली अब अपने पैरों पर वापस आ गया है और फिर से चल-फिर रहा है।

ईपीएफओ ने करोड़ों पीएफ खाता धारकों के लिए नए नियम पेश किए

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सभी पीएफ खाताधारकों के लिए पीएफ खातों में विवरण को सही करने और अपडेट करने के लिए कुछ नए नियम पेश किए हैं। ईपीएफओ ने पर्सनल जानकारी जैसे नाम, डेट ऑफ बर्थ को सही करने के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) गाइडलाइन जारी किया है, जिसके तहत सदस्यों के प्रोफाइल को अपडेट करने के लिए एसओपी वर्जन 3.0 की मंजूरी दे दी गई है। अब इस नए नियम के बाद यूएएन प्रोफाइल में सुधार के लिए दस्तावेज देने होंगे। साथ ही डिक्लेयरेशन देकर आवेदन कर सकते हैं। ईपीएफओ ने अपने गाइडलाइन में कहा कि अक्सर देखा जाता है कि कई तरह की गलतियां होती हैं, जिसे सुधारने के लिए लोगों को बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। यह परेशानी डेटा अपडेट नहीं होने के कारण होता है। ऐसे में ये गाइडलाइन पेश की गई है। नए गाइडलाइन के मुताबिक नए निर्देश के तहत ईपीएफओ ने प्रोफाइल में होने वाले बदलावों को मेजर और माइनर श्रेणियों में बांटा है। माइनर बदलावों को संयुक्त घोषणा रिक्वेस्ट के साथ कम से कम दो जरूरी दस्तावेज पेश करने होंगे। वहीं बड़े सुधार के लिए कम से कम तीन आवश्यक दस्तावेज सबमिट करने होंगे। इसमें फील्ड कार्यालयों को सदस्यों की प्रोफाइल को अपडेट करने में ज्यादा सावधानी बरतने को कहा गया है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी या धोखाधड़ी ना हो सके। वहीं बड़े बदलावों के लिए कम से कम तीन जरूरी दस्तावेज देने होंगे। यह ध्यान रखना जरूरी है कि आधार से जुड़े बदलावों के मामले में, आधार कार्ड या एक्टिव मोबाइल नंबर से जुड़ा ई-आधार कार्ड सहायक दस्तावेज के तौर पर काफी होगा।

सरकार की नई आयकर व्यवस्था से लघु बचत योजनाएं के तहत संग्रह कम हुआ- सुकन्या समृद्धि खाता, पीपीएफ जैसी योजनाओं पर भी दिख रहा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। करीब 70 फीसदी करदाताओं का रुख नई आयकर व्यवस्था की ओर होने से सरकार की लोक भविष्य निधि (पीपीएफ) जैसी प्रमुख लघु बचत योजनाओं में जमा होने वाली रकम और ग्राहकों की संख्या में गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास उपलब्ध नए आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2023 से फरवरी 2024 के बीच पीपीएफ में जमा होने वाली रकम में गिरावट दिखी है। अक्टूबर को छोड़कर 11 महीने के दौरान लगभग सभी महीनों की प्राप्तियों में गिरावट आई।

सबसे अधिक गिरावट अप्रैल 2023, सितंबर 2023 और जनवरी 2024 में दर्ज की गई। अप्रैल 2023 में 58.52 फीसदी, सितंबर 2023 में 45.06 फीसदी और जनवरी 2024 में 42.06 फीसदी गिरावट आई। सूत्र ने कहा कि सुकन्या समृद्धि खाता और राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र जैसी योजनाओं की प्राप्तियों में भी गिरावट का संकेत मिल रहा है। ईवाय के एक वरिष्ठ सलाहकार ने कहा ?कि मैं समझता हूं कि इसकी मुख्य वजह वही हो सकती है जो बैंक जमा के मामले में दिखी है

यानी मुद्रास्फीति के हिसाब से रिटर्न की वास्तविक दरों में गिरावट। उन्होंने कहा कि इस रुझान को म्युचुअल फंडों में निवेश करने वाले लोगों की तादाद में जबरदस्त वृद्धि के साथ देखा जाना चाहिए। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था को गति देने में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए शेष नकदी की निकासी, लघु बचत योजनाओं के तहत संग्रह और बॉन्ड बाजार की उधारी का उपयोग करती है। लघु बचत योजनाओं के ग्राहकों की संख्या 40 करोड़ से अधिक है। इन योजनाओं में निवेश पर ग्राहकों का कर लाभ मिलता है। इनमें राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, लोक भविष्य निधि, किसान विकास पत्र और सुकन्या समृद्धि खाता जैसी 12 योजनाएं शामिल हैं। इनमें सुकन्या समृद्धि, पीपीएफ और एनएससी पर कर छूट भी मिलती है।

हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या के बाद विश्व दो खेमों में बंटने लगा

ईरान और हिजबुल्लाह की चेतावनी के बाद अमेरिका करेगा लड़ाकू विमान तैनात ,मिडिल-ईस्ट में विश्वयुद्ध जैसे हालात!, हानिया की हत्या की ईरान ने शुरू करवाई व्यापक जांच...इंटेलिजेंस अफसर समेत 24 गिरफ्तार, इजराइल ने गेस्ट हाउस के 3 कमरों में लगवाए थे बम

वाशिंगटन,तेहरान(ईएमएस)। हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत के बाद मिडिल-ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। हानिया की मौत के बाद ईरान की चेतावनी के बाद बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने मध्य पूर्व में अतिरिक्त लड़ाकू विमान और नौसेना के युद्धपोत तैनात करने का फैसला किया है। अमेरिका ने कहा है कि वह ईरान और उसके सहयोगी हमास और हिजबुल्लाह से खतरों को देखते हुए सुरक्षा को मजबूत करेगा है। अमेरिका को अंदेशा है कि तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या की मौत का बदला लेने के लिए हमला कर सकता है। इससे मिडिल-ईस्ट में विश्वयुद्ध जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। उधर, ईरान ने हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या की व्यापक जांच शुरू कर दी है। ईरान ने तेहरान स्थित एक आईआरजीसी कुद्स फोर्स द्वारा संचालित गेस्टहाउस में वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों, सैन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है, जहां हमास नेता की हत्या की गई थी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने मध्य पूर्व और यूरोप में अतिरिक्त नौसेना क्रूजर और डिस्ट्रॉयर भेजने की मंजूरी दे दी है जो बैलिस्टिक मिसाइलों को मारकर गिरा सकते हैं। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन ने अमेरिकी सैन्य दस्तों में समायोजन का आदेश दिया है, जिसका उद्देश्य अमेरिकी सेना की सुरक्षा को मजबूत करना, इजरायल की रक्षा के लिए सहयोग बढ़ाना और यह तय करना है कि अमेरिका किसी भी हमले का जवाब देने के लिए तैयार है। इससे पहले अमेरिकी सेना ने 13 अप्रैल को भी इसकी तैनाती की थी जब ईरान ने ड्रोन और मिसाइलों से इजरायली क्षेत्र पर हमला किया था। उस समय, इजरायल ने अमेरिका और अन्य सहयोगियों की मदद से करीब 300 ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया था। बाइडेन ने नेतन्याहू के साथ गुरुवार को फोन कॉल में मिसाइलों और ड्रोन जैसे खतरों के खिलाफ इजरायल की मदद करने के लिए नए अमेरिकी रक्षात्मक सैन्य तैनाती पर बातचीत की है। इससे पहले अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा कि अगर इजराइल पर हमला होता है तो अमेरिका उसकी मदद करेगा। जब ऑस्टिन ये पूछा गया कि क्या हानिया की हत्या में इजराइल का हाथ है और क्या अमेरिका को जानकारी थी? इस पर उन्होंने कहा कि उनके पास कोई जानकारी नहीं है। वहीं ईरान और हमास दोनों ने इजरायल पर हत्या करने का आरोप लगाया है और जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है। इजरायल ने न तो हानिया की हत्या की जिम्मेदारी ली है और न ही इनकार किया है।

इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने ईरानी सुरक्षा एजेंट्स को तेहरान की उस इमारत में विस्फोटक लगाने का जिम्मा दिया था, जहां हमास का राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया ठहरा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, शुरूआत में हानिया को मई में तब मारने का प्लान था जब वह पूर्व ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम संस्कार के लिए तेहरान आया हुआ था। रिपोर्ट में दो ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि भारी भीड़ के उमडऩे की वजह से ऑपरेशन को रद्द कर दिया गया, क्योंकि इसमें सफलता मिलने की उम्मीद कम थी। मोसाद के निर्देशन में काम कर रहे दो एजेंटों ने उत्तरी तेहरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉप्र्स (आईआरजीसी) गेस्टहाउस के तीन अलग-अलग कमरों में विस्फोटक उपकरण रखे थे। यह स्थान रणनीतिक रूप से चुना गया था क्योंकि पूरी संभावना थी कि हानिया यहीं ठहरेगा।

ईरान की तरफ से इजरायल पर हमले की पूरी आशंका है। ऐसे में इजरायल का साथ देने के लिए अमेरिका पहले से कमर कस रहा है। अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने बताया कि अतिरिक्त बलिस्टिम मिसाइल, क्रूजर और डिस्ट्रॉयर को यूरोपीय और मध्य एशियाई देशों में भेजा जाएगा। हाल ही में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दौरे के समय राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उनकी मदद करने का वादा किया था। यह कदम इसी वादे को पूरा करने की ओर माना जा रहा है। हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या के बाद स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। ईरान ने अब इजरायल को खुली धमकी दे दी है। इसी बीच अमेरिका ने मध्य-पूर्व में अपनी सेना की मौजूदगी बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को पेंटागन ने कहा कि लडक्रू विमानों के एक बेड़े को मिडल ईस्ट में तैनात किया जाए जिससे कि इस इलाके में सप्लाई बनी रहे। वहीं खबर ये भी है कि रात में इरान ने रॉकेट भी बरसाए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक अहम बैठक में इजरायल की सुरक्षा के लिए तैनात मिसाइल और ड्रोन्स के बारे में पूरी जानकारी ली। अप्रैल के महीने में अमेरिकी सेना ने कई ईरान की तरफ से इजरायल पर दागी गईं कई मिसाइलों को रास्ते में ही खत्म कर दिया था। वहीं अमेरिका ने हमास और हिजबुल्ला नेताओं पर हमले के बाद मिडल ईस्ट में तनाव बढऩे को लेकर चिंता भी जाहिर की है। ऑस्टिन ने यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को मिडल ईस्ट में तैनात करने का आदेश दे दिया है। ओमान की खाड़ी में इसकी तैनाती की जाएगी। ईरान की तरफ से हमला होने पर यहां से सीधे कंट्रोल किया जा सकेगा। वाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि जो बाइडेन ने ईरान की चुनौती के खिलाफ इजरायल का पूरा साथ देने का वादा किया है। इसके अल्वा हूतियों और हिजबुल्ला से लडऩे में भी अमेरिका पीछे नहीं रहेगा।

दावा किया गया था कि उनकी मौत इजरायली हवाई हमले में हुई है, लेकिन बाद में सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की, कि गेस्ट हाउस में विस्फोटक लगाकर उसकी हत्या की गई। हानिया ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए तेहरान आया था। इस दौरान वह ईरान की राजधानी उत्तरी तेहरान में स्थित एक गेस्टहाउस में ठहरा था। इजरायल, जिसने हमास के खात्मे की कसम खाई है, ने यह स्वीकार नहीं किया है कि हानिया की मौत के पीछे उसका हाथ था। दो ईरानी अधिकारियों के अनुसार, जासूसी के लिए रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉप्र्स की विशेष खुफिया इकाई ने जांच का जिम्मा संभाल लिया है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। खुफिया इकाई को उम्मीद है कि हत्या की योजना बनाने, सहायता करने और उसे अंजाम देने वाले हत्यारे दल के सदस्यों तक पहुंच जाएगी।

ईरानी एजेंट्स के सूत्र ने ही 31 जुलाई को हानिया के अपने कमरे में होने की सूचना दी थी। इसके बाद एजेंट्स ने बम डेटोनेट कर दिया। आईआरजीसी के अधिकारी ने शुक्रवार को टेलीग्राफ से बात करते हुए कहा कि उनकी अनसार अल-महदी यूनिट के एजेंट्स को मोसाद ने इस काम के लिए हायर किया था। अधिकारी ने बताया कि छानबीन के बाद उन्हें बाकी 2 कमरों में लगे बम मिल गए। आईआरजीसी के एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि यह ईरान की तरफ से सुरक्षा में एक बड़ी चूक है। हालांकि सेना इसे छिपाने की कोशिश में लगी है।

ईरानी अधिकारियों की मदद से आईआरजीसी के गेस्ट हाउस के 3 अलग-अलग कमरों में बम रखे गए थे। यह वही गेस्ट हाउस है, जहां हानिया ठहरा था। मोसाद ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम विदाई के कार्यक्रम में ही हानिया को मारना चाहता था। हालांकि तब बहुत ज्यादा भीड़ होने की वजह से प्लान नाकामयाब हो सकता था, इसलिए इसे टाल दिया गया। इसके बाद एजेंट्स ने गेस्ट हाउस के 3 कमरों में बम लगा दिए। फिर वे देश छोडक़र भाग गए। हालांकि उनका एक साथी ईरान में ही रुका रहा। ईरानी अधिकारियों को गेस्ट हाउस में बम लगाने का सीसीटीवी फुटेज भी मिला है।

इससे पहले 1 अगस्त को अमेरिकी मीडिया हाउस न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि हानिया की मौत मिसाइल हमले नहीं बल्कि एक बम धमाके में हुई है। 2 ईरानी समेत मिडिल ईस्ट के 7 अधिकारियों के हवाले से एनआयटी ने बताया था कि जिस बम विस्फोट में वह मारा गया, उसे 2 महीने पहले छिपाकर तेहरान के उस गेस्ट हाउस में लगा दिया गया था, जिसमें हानिया ठहरा था। रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को जैसे ही हानिया के यहां पहुंचने की पुष्टि हुई, किसी बाहरी इलाके से रिमोट के जरिए विस्फोट कर दिया गया था। धमाके के बाद इमारत की दीवार का एक हिस्सा ढह गया। इसके अलावा कई खिड़कियों के शीशे भी टूट गए थे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की 31 नगर पालिकाओं को दी सिटी सिविक सेंटर्स की सौगात

गांधीनगर 03 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को महिसागर जिले के बालासिनोर शहर से राज्य के नगर पालिका क्षेत्रों में रहने वाले शहरीजनों को 32 सिटी सिविक सेंटर्स की सौगात दी। इन सिटी सिविक सेंटरों की स्थापना में नगरोंमें रहने वाले नागरिकों को एक ही स्थलसे म्युनिसिपल सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने का 'नागरिक केंद्रित सेवाओं से जीवन जीने की सुगमता' का आशय निहित है।

ये सिटी सिविक सेंटर नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को कम से कम समयावधि में हल करने तथा नगर पालिका से संबंधित ऑनलाइन सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए 'वन स्टॉप सेंटर' के रूप में कार्यरत किए गए हैं।

स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत 2022-23 में एक नए विषय के रूप में सिटी सिविक सेंटर का विचार लागू किया गया है। पहले चरण में 22 नगर पालिकाओं में इस प्रकार के सिटी सिविक सेंटर संचालित किए गए हैं। 2023-24 में दूसरे चरण में 66 और नगर पालिकाओं में सिटी सिविक सेंटरों की स्थापना की मंजूरी दी गई है। गुजरात शहरी विकास निगम (जीयूडीसी) द्वारा कुल मिलाकर, 93.76 करोड़ रुपए के अनुमानित खर्च से ये सेंटर कार्यरत किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस शृंखला में बालासिनोर से राज्य की 31 नगर पालिकाओं में सिटी सिविक सेंटरों का कार्यारंभ कराया। इन सिटी सिविक सेंटरों को 44.05 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किए गया है। मुख्यमंत्री द्वारा इन नवनिर्मित सिटी सिविक सेंटरों के लोकार्पण अवसर पर राज्य में 31 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक और पदाधिकारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने सिटी सिविक सेंटर की शिलापट्टिका का अनावरण कर नवनिर्मित सिविक सेंटर का दौरा किया तथा यहां उपलब्ध कराई गई सेवाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने सिविक सेंटर में आए आवेदकों को दस्तावेजों व प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया।

शहरीजनों की सुख-सुविधा में वृद्धि करने के राज्य सरकार के संकल्प को प्रतिबिंबित करने वाले इन सिटी सिविक सेंटरों में संपत्ति कर, हॉल बुकिंग, कर मूल्यांकन आवेदन, विवाह पंजीकरण, व्यवसाय कर और व्यवसाय कर का पंजीकरण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और गुमास्ता लाइसेंस सहित अन्य शिकायतों के आवेदन पर कार्य किया जाता है।

दूसरे चरण में जिन 31 सिटी सिविक सेंटरों का लोकार्पण किया गया उनमें बालासिनोर के अलावा पाटड़ी, कपड़वंज, बोटाद, ठासरा, जेतपुर, गोंडल, सिक्का, ओखा, पाटण, सिद्धपुर, ऊंझा, धानेरा, माणसा, शहेरा, हालोल, आणंद, पेटलाद, संतरामपुर, झालोद, धरमपुर, जंबुसर, बारडोली, बिलिमोरा, सोनगढ़, महुवा, कोडीनार, विसावदर, बाबरा, पालीताणा और मांगरोल नगर पालिकाओं का समावेश होता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बाबूभाई पटेल, पंचमहाल के सांसद श्री राजपाल सिंह जादव, बालासिनोर के विधायक श्री मानसिंह चौहान, अग्रणी श्री पप्पूभाई पाठक, महिसागर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दशरथभाई बारिया, बालासिनोर तहसील पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सविताबेन चौहान, कमिश्नर ऑफ म्युनिसिपैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन श्री राजकुमार बेनिवाल, अधिकारी श्री चंद्रकांत पटेल सहित कई अग्रणी उपस्थित रहे।

आबू-अंबाजी रोड पर नदी में गिरी बसः रणुजा से लौटते समय 12 श्रद्धालु घायल

अम्बाजी,3 अगस्त

अबू-अंबाजी रोड बस दुर्घटनाः खबर है कि 55 तीर्थयात्रियों से भरी एक लग्जरी बस आबू रोड-अंबाजी रोड पर रणुजा से अंबाजी तक नदी में फंस गई। इस घटना में कम से कम 12 तीर्थयात्री घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, आबू रोड-अंबाजी मार्ग पर रणुजा से अंबाजी जा रही तीर्थयात्रियों से भरी लग्जरी बस में नदी उफान पर होने की सूचना मिली है. इस लग्जरी जहाज पर 55 तीर्थयात्री सवार थे। आबूरोड-अंबाजी रोड पर 55 तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस नदी में गिर गई और बस में सवार 12 तीर्थयात्रियों को चोट लगने के कारण इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

डेरोल गांव के श्रद्धालु तीन दिवसीय तीर्थयात्रा पर रणुजा से अंबाजी के लिए निकले थे, तभी अंबाजी की ओर जा रही एक लग्जरी बस आबूरोड-अंबाजी मार्ग पर नदी में फंस गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और यात्रियों को बचाने में जुट गई. घटना में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने प्रदेश की महत्वपूर्ण परि योजना स्थलों का भ्रमण कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की

खेड़ा,03अगस्त

महिसागर और खेड़ा जिलों के पांच तालुकाओं में 125 गांवों और 8100 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधाएं प्रदान करना। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल 581 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन उद्वहन सिंचाई परियोजना के निरीक्षण दौरे पर ख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने कार्यो की गुणवत्ता, संचालन की प्रगति की जांच करने और संपूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए राज्य में सिंचाई, सड़क मार्ग, जल आपूर्ति आदि जैसी प्रगति के तहत विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के स्थलों का दौरा करने का एक नया तरीका अपनाया है। परियोजनाएं.

इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने शनिवार को 581 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन उदावाहन सिंचाई-लिफ्ट सिंचाई पाइपलाइन परियोजना के निरीक्षण दौरे पर महिसागर और खेड़ा जिलों का दौरा किया। यह लिफ्ट सिंचाई पाइपलाइन परियोजना मध्य गुजरात के खेड़ा और महिसागर जिलों के 125 गांवों को सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी।

खेड़ा जिले के कपडवंज, कठलाल, गलतेश्वर और थसरा और महिसागर जिले के बालासिनोर तालुक के कुल 125 गांव लंबे समय तक सिंचाई सुविधाओं से वंचित थे। वनक बोरी बांध के ऊपरी हिस्से से माही नदी के पानी को पंप करके इन गांवों को सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए, नर्मदा जल संपत्ति जल आपूर्ति और कल्पसर विभाग ने रुपये का निवेश किया है। यह योजना 581 करोड़ की अनुमानित लागत पर शुरू की गई है।

इस उदवाहन सिंचाई योजना का लक्ष्य 125 गांवों के 133 तालाबों और एक नदी को माही नदी का पानी पहुंचाकर 8100 हेक्टेयर कमांड क्षेत्र में सिंचाई सुविधा प्रदान करना है। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने इस लिफ्ट सिंचाई पाइपलाइन परियोजना की प्रगति का निरीक्षण किया और रायोली, बालासिनोर में निर्माणाधीन 40 लाख लीटर क्षमता के जलाशय और एमएस पाइपलाइन के कार्य का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सांसद, विधायक समेत संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत समीक्षा की. उन्होंने इन सभी कार्यों का गुणवत्तापूर्ण रख-रखाव सुनिश्चित करने तथा संपूर्ण योजना को निर्धारित समय-सीमा अर्थात 2027 तक पूरा करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।

मुख्यमंत्री के साथ इस निरीक्षण दौरे में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बाबूभाई पटेल, पंचमहल सांसद श्री राजपाल सिंह जादव, पंचमहल पूर्व सांसद श्री रतन सिंह राठौड़, बालासिनोर विधायक श्री मानसिंह चौहान, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री के. बी रबाडिया, मध्य गुजरात के मुख्य अभियंता और अतिरिक्त सचिव श्री एम. डी। पटेल, जिला कलक्टर श्रीमती नेहा कुमारी, जिला विकास अधिकारी श्री सी. एल पटेल, जिला पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

गांधीनगर कोर्ट के ताले टूटे, सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध

गांधीनगर, 03

प्रत्येक चोर को अपने कौशल पर भरोसा होता है और इसलिए उसे विश्वास होता है कि वह कभी पकड़ा नहीं जाएगा। गांधीनगर में एक चोर की अभूतपूर्व शैतानी से हड़कंप मच गया है. इस चोर ने गांधीनगर कोर्ट के ताले तोड़ दिए. सुबह जब कोर्ट स्टाफ कार्यालय आया तो सामान बिखरा पड़ा था। दो दिन पहले हुई घटना में से-7 पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है. सीसीटीवी कैमरों की जांच के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध मिला. यह इसाम दोपहर में कोर्ट के बाथरूम में छिप गया और रात को बाहर आकर ताला तोड़ दिया.

पुलिस को मिले सीसीटीवी के मुताबिक, इस्साम नाम का शख्स दोपहर के वक्त बाथरूम गया और काफी देर तक बेहोश रहा। कोर्ट परिसर में ताला लगने के बाद रात में यह इस्साम बाथरूम से बाहर निकला. चोर ने षष्टम अपर वरिष्ठ सिविल जज एवं एसीजेएम के न्यायालय कक्ष का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया। संदिग्ध की कद-काठी और आचरण के आधार पर पुलिस का मानना है कि वह आदतन चोर विक्रम बच्चू ठाकोर है। विक्रम ठाकोर से-4 में रहते हैं और उनके खिलाफ चोरी के पिछले मामले लंबित हैं। विक्रम ठाकोर पहले भी कोर्ट का ताला तोड़ चुके हैं और इस मामले में उनके खिलाफ केस भी चल रहा है. विक्रम ठाकोर के खिलाफ चोरी सहित अन्य अपराध दर्ज किए गए हैं। ऐसे ही एक मामले के तहत उन पर गांधीनगर कोर्ट में मुकदमा चल रहा था. उसने अपने खिलाफ मामले के दस्तावेज चुराने के लिए साल 2019 में कोर्ट का ताला भी तोड़ दिया था. पुलिस ने उस समय विक्रम को उठाया था और इस बार भी वह पकड़ से बाहर है। पुलिस का मानना है कि विक्रम ने अपने केस से जुड़े दस्तावेज चुराने के लिए यह कारनामा किया होगा. हालांकि उसे नहीं पता था कि दस्तावेज कहां रखे हैं, जिसके चलते उसने सामान की तोड़फोड़ की, लेकिन दस्तावेज नहीं मिले।

6 लोगों ने एक युवक का अपहरण कर उसका मोबाइल फोन लूट लिया

अहमदाबाद , निकोल में रहने वाले एक युवक ने अपने दोस्त का फोन अपने फ्लैट में रहने वाले एक युवक को 3000 रुपये में बेच दिया. कुछ देर बाद फोन में तकनीकी खराबी आ गई और फोन वापस कर पैसे वापस करने को कहा। लेकिन जब युवक ने पैसे नहीं दिए तो तीन एक्टिवा पर आए 6 लोगों ने युवक को फ्लैट के नीचे पीटा और एक्टिवा पर अपहरण कर लिया, जिसके बाद उन्होंने युवक को निकोल गांव में एक शांत जगह पर ले गए, उसके साथ मारपीट की और लूटपाट की। युवक का फोन, सभी आरोपी हुए फरार युवक ने निकोल थाने में 6 लोगों के खिलाफ अपहरण और लूट की शिकायत दर्ज करायी है.

21 वर्षीय भावेश मकवाना अपने परिवार के साथ निकोल के परंती आवास योजना में रहते हैं। कुछ दिन पहले एक दोस्त ने अपना फोन बेचने के लिए दिया था। भावेश ने अपने दोस्त का फोन अपने फ्लैट में रहने वाले दोस्त करण देवेंद्रभाई सोलंकी को 3000 रुपये में बेच दिया. गुरुवार की रात भावेश अपने माता-पिता के साथ घर पर बैठा था, तभी उसके दोस्त करण ने उसे फोन किया और कहा कि जो फोन तुमसे लिया गया था वह अनलॉक नहीं है, इसलिए कृपया मेरे पैसे लौटा दो। तो भावेश ने कहा कि यह फोन मेरे दोस्त का था जो मैंने तुम्हें बेच दिया था और मुझे इस फोन के बारे में कुछ नहीं पता. उसके बाद कर्ण सोलंकी को आज रुपये चाहिए होंगे. मैंने यह कहकर फोन रख दिया कि मैं आपके फ्लैट के नीचे आ रहा हूं। बाद में, जब भावेश फ्लैट के नीचे एक बेंच पर बैठा था, करण सोलंकी सहित 6 युवक तीन एक्टिवा पर आए और भावेश के साथ मारपीट की, उसका अपहरण कर लिया और निकोल गांव के पास एक शांत जगह पर ले गए। वहां भावेश की हत्या कर उसका 15 हजार रुपये कीमत का फोन लूटकर करण सोलंकी समेत सभी लोग भाग निकले। बाद में जब भावेश रिक्शे से घर आया तो उसके पिता ने पुलिस को सूचना दी.

किसने किसके विरुद्ध अपराध किया है?

करण देवेन्द्र भाई सोलंकी (बाकी निकोल गांव) जिग्नेश देवेन्द्रभाई सोलंकी (बाकी निकोल गांव) जय हसमुखभाई सोलंकी (बाकी निकोल गांव) पूनमभाई रावल (बाकी निकोल गांव) भावेश ठाकोर (बाकी निकोल गांव) जिग्नेश सोलंकी और उनके दोस्त (सभी रेस. निकोल गांव)

अहमदाबाद और गांधीनगर में भारी बारिश

अहमदाबाद ,03 अगस्त,

गुजरात में राजधानी गांधीनगर और अहमदाबाद एक बार फिर बारिश से घिर गए हैं. अहमदाबाद-गांधीनगर के कई इलाकों में भारी बारिश हुई है. अहमदाबाद के पश्चिम में नारणपुरा, वाडाज, नवरंगपुरा, थलतेज, वस्त्रापुर और भोपाल, घुमा, शेला समेत कई इलाकों में भारी बारिश के कारण हर जगह पानी भर गया. इस बीच, अहमदाबाद के पूर्व में मणिनगर, इसानपुर, घोड़ासर और वटवा में भारी बारिश के कारण चोमर जल बमबारी की स्थिति पैदा हो गई।

वहीं, गुजरात के 18 जिलों में शाम सात बजे तक ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है. विशेषकर दक्षिण गुजरात में अधिक बारिश होगी क्योंकि बारिश का सिस्टम सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने गुजरात में अगले पांच दिनों तक आंधी तूफान की चेतावनी के साथ बारिश का अनुमान जताया है. ऑफशोर ट्रफ और साइक्लोन सर्कुलेशन के कारण गुजरात के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने जहां गुजरात के तटीय इलाकों में 45 किमी की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान जताया है, वहीं दक्षिण गुजरात के कुछ इलाकों में बारिश शुरू हो गई है.

गुजरात में फिर से हो रही बारिश के बीच मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने भविष्यवाणी की है कि बंगाल महासागर में गहरा दबाव बन गया है. इसके चलते 24 घंटों में गुजरात के अहमदाबाद, गांधीनगर, मेहसाणा और आसपास के इलाकों में भारी बारिश होगी. इस दौरान करीब सात इंच बारिश भी होगी।

दक्षिण गुजरात में 3 अगस्त की सुबह से ही बारिश शुरू हो गई. इस कारण कई जगहों पर बाढ़ आ गई है. इधर तापी और उसकी सहायक नदियों में भी जलस्तर बढ़ गया है. वहीं मौसम विभाग ने 3 अगस्त रात 8 बजे तक 18 जिलों में ऑरेंज घोषित कर दिया है, जिनमें गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, मोरबी, सुरेंद्रनगर, कच्छ, बनासकांठा, पाटन और बोटाद शामिल हैं। यहां बहुत भारी बारिश हो सकती है. सूरत, तापी, नवसारी, वलसाड, डांग और मध्य गुजरात के वडोदरा, भरूच, नर्मदा, छोटा उदेपुर और दक्षिण गुजरात में भी ऑरेंज अलर्ट दिया गया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 3 अगस्त को देर रात तक राज्य के 15 जिलों में भारी बारिश हो सकती है. जबकि भरूच, छोटा उदेपुर, दीव, गिर सोमनाथ, दाहोद में छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की गई है। यहां बता दें कि अहमदाबाद के कुछ इलाकों में सुबह से ही बूंदाबांदी हो रही है. उधर, 7 इंच से ज्यादा बारिश से वापी में बाढ़ आ गई है। हर तरफ पानी भर गया है.

मौसम वैज्ञानिक अंबालाल ने बताया कि 12 से 15 अगस्त तक उत्तर गुजरात में कम दबाव का सिस्टम बनेगा। खासकर बंगाल की खाड़ी से एक सिस्टम सक्रिय होगा, जिसके कारण गुजरात में इन दिनों में बारिश होगी। उसके बाद बारिश शांत हो जाएगी, लेकिन 17 से 28 अगस्त तक एक गहरा दबाव बनने की संभावना है, जिससे उपरोक्त स्थानों पर सामान्य बारिश होगी।

अंबुजा सीमेंट्स बिहार में करेगा 1600 करोड़ रुपए का निवेश

पटना, 3 अगस्त 2024ः अदाणी पोर्टफोलियो का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने बिहार में अपने पहले उद्यम की घोषणा की है। ये सीमेंट उद्योग की किसी भी कंपनी की ओर से राज्य में किया गया अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। वारिसलीगंज सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट, 6 एमटीपीए की कुल क्षमता वाली यूनिट है, जिसे लगभग 1600 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया जाएगा।

प्रोजेक्ट को तीन फेज में लागू किया जाएगा, जिसमें 2.4 एमटीपीए का पहला चरण 1,100 करोड़ रुपये के निवेश से दिसंबर 2025 तक शुरु करने का लक्ष्य है। भविष्य के विस्तार के लिए भूमि का पर्याप्त व्यवस्था की गयी है, जिसे बहुत कम कैपिटल एक्सपेंडिचर पर निश्चित समय में चालू किया जाएगा। बिहार के नवादा जिले के वारिसलीगंज तहसील के मोसामा गांव में स्थित ये यूनिट सड़क और रेल से जुड़ा हुआ है। यहां से वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन 1 किमी दूर है और एसएच-83 ये साइट, सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर है।

यह प्रोजेक्ट बिहार की बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करेगा, जो हाल के केन्द्रीय बजट में बताई गई प्राथमिकताओं के अनुरूप है। बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बीआईएडीए) द्वारा आयोजित शिलान्यास समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, ''अदाणी समूह का यह निवेश बिहार के विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'' ये प्रोजेक्ट बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने, राजस्व में प्रति वर्ष लगभग 250 करोड़ रुपये का योगदान देगा साथ ही 250 प्रत्यक्ष और 1000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की भी संभावना है। इस कार्यक्रम में बिहार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा जैसे कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विदेशी प्रभुत्व के बीच, भारतीय ब्रांड ईवीएम '2023 का अग्रणी एसएसडी ब्रांड' बनकर उभरा

कंप्यूटिंग और मोबिलिटी उत्पादों के अग्रणी विक्रेता और स्टोरेज समाधान और आईटी पेरिफेरल्स में अग्रणी ईवीएम के ब्रांड मालिकों, हुंडिया इन्फो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को 16वें एनसीएन इनोवेटिव प्रोडक्ट अवार्ड्स में 2023 के अग्रणी एसएसडी ब्रांड के लिए प्रतिष्ठित एडिटर्स चॉइस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता एसएसडी उद्योग में नवाचार और गुणवत्ता के प्रति ईवीएम के समर्पण को उजागर करती है।

ईवीएम के सीईओ विशाल हुंडिया ने एसएसडी बाजार के भविष्य के लिए अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, ठईवीएम में, एक भारतीय आईटी स्टोरेज ब्रांड, हमें 2023 का अग्रणी एसएसडी ब्रांड पुरस्कार प्राप्त करने पर गर्व है। यह मान्यता डेटा स्टोरेज मानकों को फिर से परिभाषित करने वाले अत्याधुनिक समाधान प्रदान करने के लिए हमारे समर्पण को रेखांकित करती है।

भारतीय एसएसडी बाजार उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग समाधानों की बढ़ती मांग से प्रेरित होकर महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए तैयार है। हमारा मानना है कि प्रभावी विपणन और शैक्षिक पहल उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और भारतीय उपयोगकर्ताओं के बीच भारतीय ब्रांड के एसएसडी को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।ठ

गुजरात में कुल 48 जलाशयों को हाई अलर्ट पर घोषित किया गया

गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर बांध में 57ङ से ज्यादा जल भंडारण

गुजरात के विभिन्न जिलों में भारी बारिश हो रही है. राज्य में व्यापक बारिश के कारण 48 जलाशय ओवरफ्लो हो गए हैं। जबकि 9 जलाशय 90 से 100 प्रतिशत तक भरे हुए हैं, हाई अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा 31 बांधों के 70 से 100 फीसदी तक भरे होने पर अलर्ट किया गया है. दूसरी ओर, सरदार सरोवर सहित 28 बांध 50 से 70 प्रतिशत तक भरे हुए हैं, जबकि 39 बांध 25 से 50 प्रतिशत तक भरे हुए हैं। राज्य में सार्वभौमिक वर्षा के परिणामस्वरूप, 48 जलाशय पूरी तरह से भर गए हैं, जबकि नौ जलाशयों को 90 से 100 प्रतिशत भरने के साथ हाई अलर्ट पर घोषित किया गया है। इसके अलावा राज्य के 31 बांधों के 70 फीसदी से 100 फीसदी तक भरे होने पर अलर्ट किया गया है. इसके अलावा सरदार सरोवर समेत 28 बांधों को 50 से 70 फीसदी तक भरने की चेतावनी दी गई है जबकि 39 बांध 25 से 50 फीसदी तक भरे हुए हैं.

गुजरात की जीवदोरी समान सरदार सरोवर योजना में वर्तमान में 1,92,041 एमसीएफटी यानी कुल भंडारण क्षमता का 57.48 फीसदी रिकॉर्ड किया गया है. जबकि इसके अलावा राज्य के अन्य 206 जलाशयों में 3,09,663 एमसीएफटी. यानी कुल भंडारण क्षमता का 55.28 प्रतिशत तक जल संसाधनविभाग की रिपोर्ट के मुताबिक रिकार्ड किया जा चुका है.

आज सुबह 8 बजे की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में भारी बारिश के कारण सर्वाधिक जल आवक उकाई में 79,274 क्यूसेक जबकि सरदार सरोवर योजना में 72,382 क्यूसेक, दमनगंगा में 42,088 क्यूसेक, रावल में 13,100 क्यूसेक दर्ज की गई है. इसके अलावा दक्षिण गुजरात के 13 जलाशयों में 65.58 प्रतिशत, कच्छ के 20 जलाशयों में 52.23 प्रतिशत, सौराष्ट्र के 141 जलाशयों में 52.16 प्रतिशत, मध्य गुजरात के 17 जलाशयों में 44.01 प्रतिशत और गुजरात के 15 जलाशयों में 27.83 प्रतिशत पानी संग्रहित हो चुका है। उत्तर गुजरात यह संपत्ति विभाग की सूची में आगे बताया गया है।

भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच राज्य के 226 तालुकाओं में मेघमेहर

अहमदाबाद, 3 अगस्त

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आज सुबह से पूरे गुजरात में बारिश हो रही है. आज सुबह से रात 8 बजे तक राज्य के 226 तालुका में बारिश हुई है. जिसमें सबसे ज्यादा वलसाड के कपराडा में करीब 4 इंच बारिश दर्ज की गई है. जबकि कुल 18 तालुका में 2 इंच से ज्यादा बारिश हुई है.

आज राज्य के 226 तालुकाओं में बारिश की खबर है. कुल 18 तालुकाओं में 2 इंच से लेकर साढ़े तीन इंच तक बारिश हुई है। डोलवान में साढ़े तीन इंच, वंसदा, वाघई, धरमपुर में 3 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है. जबकि खेरगाम में सवा तीन इंच बारिश हुई है। चिखली, वलसाड, पारडी, अहवा, वालोड में ढाई इंच से ज्यादा बारिश हुई है.

वापी, गणदेवी और विजयनगर में ढाई इंच से ज्यादा बारिश हुई है, जबकि महिसागर जिले के व्यारा, सुबीर, नवसारी और वीरपुर में दो इंच से ज्यादा बारिश हुई है. राज्य के 59 तालुकाओं में एक इंच या उससे अधिक बारिश हुई है।

राज्य में हो रही बारिश की स्थिति के बीच गुजरात में अगले दिन भी भारी बारिश की आशंका जताई गई है. आईएमडी ने 4 अगस्त को गुजरात में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. भारी बारिश के चलते गुजरात में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है.

मौसम विभाग ने राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है. जिसमें दक्षिण गुजरात के सूरत, नर्मदा, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड समेत 6 जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है. इसके अलावा कच्छ, मोरबी और बनासकांठा में भी भारी बारिश हो सकती है.

सुरेंद्रनगर, मेहसाणा, में मध्यम बारिश हो सकती है. तो खेड़ा, पंचमहल, वडोदरा, आनंद, बोटाद, भावनगर, अमरेली में हल्की बारिश का अनुमान है।

वलसाड जिले में "नारी वंदन उत्सव" के तहत महिला स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

वलसाड,3 अगस्त

वलसाड जिले में 1 अगस्त से 8 अगस्त तक नारी वंदन सप्ताह मनाया जा रहा है. जिसके अनुसार जिला प्रशासन द्वारा महिला स्वावलंबन के उपलक्ष्य में दिनांक 03/08/2024 को कार्यालय जिला महिला एवं बाल अधिकारी एवं जिला रोजगार कार्यालय धरमपुरा महाराणा प्रताप हॉल के माध्यम से महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ महिला रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रिलायंस डे आ गया था

इस अवसर पर जिला पंचायत उत्पादन समिति अध्यक्ष उर्मीलाबेन बिरारी, केलवानी मंडल प्रमुख गणेश बिरारी और पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष नरेशभाई पटेल उपस्थित थे। महिला एवं बाल अधिकारी श्वेता आर.देसाई, जिला रोजगार अधिकारी पारुल पटेल, जिला ग्राम विकास एजेंसी स्टाफ, लीड बैंक मैनेजर एवं स्टाफ, सखी वन स्टॉप सेंटर स्टाफ, डब्ल्यू सीओ स्टाफ उपस्थित थे। कुल 03 स्वीकृति आदेश एवं जिला ग्राम विकास अभिकरण द्वारा सखी मंडल समूह को कुल 02 चेक वितरित किये गये।

साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहेंः रिटर्न फाइलिंग सीजन के दौरान आईटी के नाम पर फर्जी कॉल

गांधीनगर,3 अगस्त

साइबर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह नागरिकों को बरगलाने के लिए नए-नए हथकंडे आजमाते रहते हैं। मोबाइल नंबर या क्रेडिट कार्ड ब्लॉक होने के झूठे डर ने धोखाधड़ी की वजह उजागर कर दी है। ऐसे में पिछले कुछ समय से साइबर बदमाशों ने आयकर विभाग के नाम पर फर्जी कॉल करना शुरू कर दिया है। पुलिस के संज्ञान में आया है कि आयकर रिटर्न दाखिल करने के इस सीजन में भारी जुर्माना और कानूनी कार्यवाही की धमकी देकर नागरिकों को धोखा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए पुलिस ने नागरिकों से ऐसी साजिशों के प्रति सतर्क रहने की अपील की है.

जिला पुलिस प्रमुख रवि तेजा वासम शेट्टी ने कहा है कि गांधीनगर जिले में साइबर अपराध के शिकार लोग बैंक, पुलिस, आयकर या अन्य विभागों के आम नागरिकों से बात कर उनसे वित्तीय मामलों की जानकारी ले रहे हैं. कभी-कभी लिंक या अन्य माध्यमों से आम नागरिकों से बैंक विवरण प्राप्त करना। साइबर क्राइम कई तरह से आम नागरिकों के साथ होता है. इसके साथ ही व्हाट्सएप के जरिए वीडियो कॉल, फोटो या अन्य वीडियो के जरिए पैसे मांगते हैं. ऐसी घटना के बाद आम नागरिक असमंजस में रहता है, कुछ मामलों में नागरिक घटना की जानकारी पुलिस को देर से देता है. इसके साथ ही ऐसे तत्व निवेश के बाद जबरन वसूली योजनाओं या फर्जी आईडी के जरिए लोगों से पैसे वसूल रहे हैं। जिला पुलिस प्रमुख ने किसी से मोबाइल पर बात नहीं करने का भी अनुरोध किया है.

साइबर क्राइम पर जानकारी देते डीवाईएसपी। आर.आई. देसाई ने कहा है कि गुजरात राज्य में साइबर अपराध के माध्यम से रु. बेईमान व्यक्तियों द्वारा 114 करोड़ से अधिक की हेराफेरी की गई है। लेकिन पीड़ितों ने घटना की कुछ समय सीमा के अंदर ही पुलिस को सूचना दे दी है. उनमें से अधिकांश को धन पुलिस प्रणाली द्वारा वापस कर दिया गया है। जून-2024 तक 46 फीसदी यानी रु. राज्य साइबर क्राइम सेल द्वारा पीड़ित नागरिकों को 53 करोड़ से अधिक की वसूली की गई है। गांधीनगर जिले में भी साइबर अपराध के शिकार लोगों को रु. 56 लाख रुपये वापस कर दिये गये.

हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड पर गर्व!

यह तिमाही कई उपलब्धियों से भरी रही! टीम ने शानदार परिणाम देने के लिए कड़ी मेहनत की है।

हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए एशिया के पहले लो कार्बन जिंक- इकोज़ैन का लॉन्च किया गया-हरित जिंक को नवीकरणीय उर्जा के इस्तेमाल से बनाया जाता है, जिससे प्रति टन उत्पादन में कार्बन डाई ऑक्साईड के उत्सर्जन में काफी कमी आती है और कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने में मदद मिलती है।

ज़िंक उर्जा रूपान्तरण के लिए मुख्य धातु के रूप में भी लोकप्रियता हासिल कर रहा है- हमने अमेरिकी बैटरी निर्माता AEsir के साथ साझेदारी की है जो ज़िंक पर आधारित बैटरियों के निर्माण में विशेषज्ञ है। ये बैटरियां लिथियम की बैटरियों की तुलना में किफ़ायती, पर्यावरण अनुकूल एवं सुरक्षित विकल्प हैं। हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड, AEsir को ज़िंक की आपूर्ति देता है और बैटरियों की विश्वस्तरीय मूल्य श्रृंखला में शामिल हो गया है।

पहली तिमाही में अब तक का सबसे अधिक खनित एवं संशोधित धातु- हमने इस तिमाही में धातु की बेहतर श्रेणी के साथ 263 केटी, खनित धातु का उत्पादन दर्ज किया। टीम उत्पादन की दक्षता में सुधार लाने और नई तकनीकों को शामिल करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

इंफीबीम एवेन्यूज लिमिटेड रेडिफ डॉट कॉम में हासिल करेगी ज्यादा हिस्सेदारी

गांधीनगर, 02 अगस्त

संचालित फिनटेक कंपनी, इन्फीबीम एवेन्यूज लिमिटेड, (''इन्फीबीम'' या ''कंपनी'' या ''आईएएल''), (बीएसईः 539807; एनएसईः इन्फीबीम), ने आज घोषणा की कि उसने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रसिद्ध इंटरनेट व्यवसायों में से एक, रेडिफ डॉट कॉम इंडिया लिमिटेड में 54ङ हिस्सेदारी के लिए एक निश्चित समझौता किया है। यह आंतरिक रूप से वित्तपोषित अधिग्रहण इन्फीबीम एवेन्यूज के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो मुख्यधारा के समाचार, क्लाउड आधारित एंटरप्राइज़ ईमेल स्टोरेज और सहयोग मंच द्वारा समर्थित एक एग्रीगेटर के रूप में उपभोक्ता के लिए डिजिटल वित्तीय सेवा की शुरुआत को चिह्नित करता है।

रेडिफ डॉट कॉम के चेयरमैन और सीईओ श्री अजीत बालकृष्णन ने कहा, ''मुझे इस प्रतिष्ठित ब्रांड और इसकी विरासत को इंफीबीम एवेन्यूज के श्री विशाल मेहता के सक्षम हाथों में सौंपते हुए खुशी हो रही है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि उनके नेतृत्व में रेडिफ का नया अवतार कंपनी को और मजबूत करेगा और व्यापार विकास को गति देगा।''

इंफीबीम एवेन्यूज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री विशाल मेहता ने कहा, ''यह लेन-देन इंफीबीम एवेन्यूज की फिनटेक विशेषज्ञता और रेडिफ डॉट कॉम की प्रतिष्ठित ब्रांड विरासत के बीच तालमेल का लाभ उठाता है। हम डिजिटल वित्त एकत्रीकरण, क्लाउड स्टोरेज और कंटेंट वितरण के गतिशील परिदृश्य में एक नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। इस तालमेल के साथ, हम विकास के नए आयामों को खोलने के लिए तैयार हैं, क्लाउड और फिनटेक जुड़ाव के सार को फिर से परिभाषित करते हैं।''

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95